राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात, संस्करण बुधवार,05अगस्त2020 वर्ष–3, अंक –190 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अयोध्या की धरती से देश को संबोधित करेंगे मोदी, स्वागत से लेकर पूजन तक है पूरा शेडयूल

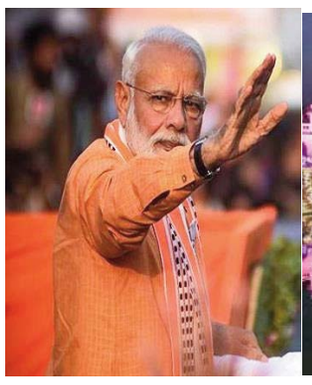

नेशनल डेस्क।

अयोध्या राम लला के स्वागत के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल यानी 5 अगस्त को राम नगरी में पहुंचकर भव्य राम मंदिर की आधारशिला रखेंगे। राम मंदिर भूमि पूजन के ठीक बाद वह देश को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी तकरीबन तीन घंटे राम की नगरी में गुजारेंगे, वह तय कार्यक्रम के मुताबिक ही राम मंदिर से जुड़े कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। अयोध्या में तीन घंटे का प्रवास। 5 अगस्त की सुबह दिल्ली से प्रस्थान। 9ः35 बजे दिल्ली से उड़ेगा विशेष विमान। 10ः35 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर लैंडिंग। 10ः40 बजे हेलिकॉप्टर से अयोध्या के लिए प्रस्थान। 11ः30 बजे अयोध्या साकेत कॉलेज के हेलीपैड पर लैंडिंग। 11ः40 बजे हनुमान गढ़ी पहुंच कर 10 मिनट दर्शन-पूजन। 12 बजे राम जन्मभूमि परिसर पहुंचने का कार्यक्रम। 10 मिनट में रामलला विराजमान का दर्शन-पूजन। 12ः15 बजे रामलला परिसर में पारिजात का पौधारोपण। 12ः30 बजे भूमिपूजन कार्यक्रम का शुभारंभ। 12ः40 बजे राम मंदिर की आधारशिला की स्थापना। 2ः05 बजे साकेत कॉलेज हेलीपैड के लिये प्रस्थान। 2ः20 बजे लखनऊ के लिए उड़ेगा हेलिकॉप्टर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग लोगों द्वारा किया जाएगा। जिसके तहत साकेत महाविद्यालय के हेलीपैड पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, जिलाधिकारी अनुजा झा के साथ ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय उनका स्वागत करेंगे। इसके बाद राम जन्मभूमि पर स्वागत की जिम्मेदारी अयोध्या के राजा विमलेंद्र मोहन, राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा और ट्रस्ट के अध्यक्ष नृत्य गोपाल दास करेंगें जिसके तहत साकेत महाविद्यालय के हेलीपैड पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, जिलाधिकारी अनुजा झा के साथ ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय उनका स्वागत करेंगे। इसके बाद राम जन्मभूमि पर स्वागत की जिम्मेदारी अयोध्या के राजा विमलेंद्र मोहन, राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा और ट्रस्ट के अध्यक्ष नृत्य गोपाल दास करेंगें

हनुमानगढी के करेंगे दर्शन

जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हनुमानगढी के दर्शन के उपरांत 1230 बजे भूमि पूजन स्थल पधारेंगे। वह यहां पारिजात का एक पौधा भी रोपेंगे। मोदी के साथ मंच पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल,मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत और श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपालदास होंगे।

दिग्विजय- कमलनाथ पर नरोत्तम का हमला, कहा- एक कर रहा सुंदर कांड, दूसरा लंका कांड

भोपाल।

मध्य प्रदेश में एक तरफ कोरोना वायरस तो दूसरी तरफ राम भक्ती को लेकर सियासत गरमाई हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने राज्य में हनुमान चालीसा का आह्वान किया है जिस पर गृहमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि रामभक्त इतने नासमझ नहीं है कि वे कांग्रेस की दोहरी नीति को न समझे। एक तरफ सुंदरकांड हो रहा है तो दूसरी तरफ कांग्रेस को लंका कांड की तरह ढहाने का कांड हो रहा है। वहीं दस दिन बाद भोपाल अनलॉक पर गृहमंत्री ने कहा कि लॉक डाउन अनंतकाल के लिए नहीं किया जा सकता। लॉकडाउन से अर्थव्यवस्था पर बुरा असर हुआ है। मंगलवार को मीडिया से बातचीत के दौरान गृहमंत्री ने कहा कि-जान न जाए निशाचर माया... काल नेम केही कारण आया... उब रहे अंत न होए निभाउ... एक व्यक्ति एक व्यक्ति तिथि टालने की बात कर रहा है, एक सुंदरकांड कर रहा है। राम भक्त इतने नासमझ नहीं है कि तुष्टिकरण की राजनीति को न समझ पाए। कांग्रेस को समझना चाहिए कि रामभक्त इतने नासमझ नहीं हैं कि कथनी और करनी का भेद नहीं समझ पाएं। उसका एक नेता सुंदर कांड कराने की बात करता है तो दूसरा लंका कांड में व्यस्त है। राममंदिर मुद्दे पर कांग्रेस का स्वांग अब और नहीं चलेगा। मिश्रा ने आगे कहा कि जिस पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी ने एक शब्द नहीं बोला है। वो पार्टी श्रेय कैसे लेना चाह रही है। कांग्रेस की पूरी पार्टी को राम मंदिर पर एक लाइन होकर कुछ बोलना चाहिए। राम मंदिर बीजेपी के एजेंडे में था, हमने सौगंध खाई थी कि राम मंदिर वहीं बनाएंगे और अब बना रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व और वर्तमान अध्यक्ष अपनी नीति स्पष्ट करें। दस दिन बाद भोपाल अनलॉक पर बोले गृहमंत्री ने कहा कि- तेरा तुझ को अर्पण क्या लागे मेरा हमने जनता के हवाले सब छोड़ दिया है

एयरटेल ने लद्दाख के ग्रामीण अंचलों तक किया अपने 4जी नेटवर्क का विस्तार

लेह । भारती एयरटेल ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लेह और कारगिल जिलों में करीब दर्जनभर गांवों तक अपनी 4जी सेवा का विस्तार किया है। कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा इन इलाकों के लोगों ने मंगलवार को पहली बार 4जी कनेक्टिविटी का अनुभव किया। प्रवक्ता ने कहा कि लद्दाख में 4जी सेवाएं शुरू करने वाली एयरटेल पहली दूरसंचार कंपनी है। लद्दाख क्षेत्र में कंपनी का सबसे बड़ार 4जी नेटवर्क है। उन्होंने कहा, 4जी नेटवर्क से जुड़ने वाले इन गांवों में कारगिल के सांकू, लंकारचे, घुमरी, बारचे, संजाक, गरकोन और लेह के अचिनाथांग, लेहदो, तिया और स्कुरबुचन शामिल हैं। एयरटेल के ऊपरी उत्तर केन्द्र के सीईओ मनु सूद ने कहा,÷डिजिटल रूप से लद्दाख को जोड़ने और अंतिम छोर तक 4जी नेटवर्क पहुंचाने की हमारी प्रतिबद्धता में यह एक और मील का पत्थर है। हम सरकार के डिजिटल इंडिया दृष्टिकोण को लेकर प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि एयरटेल लद्दाख के ग्रामीण इलाकों में अपने 4जी नेटवर्क को तेजी से बढ़ा रहा है। वह इस उत्तरी क्षेत्र को डिजिटल सुपरहाइवे से जोड़ने को प्रयासरत है।

संक्षिप्त समाचार

मंदिर निर्माण से पहले बोली प्रियंका गांधी- भगवान राम सबमें हैं और सबके हैं

नेशनल डेस्क। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को कहा कि भगवान राम सबमें हैं और सबके हैं तथा ऐसे में पांच अगस्त को अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए होने जा रहा भूमि पूजन राष्ट्रीय एकता, बंधुत्व और सांस्कृतिक समागम का कार्यक्रम बनना चाहिए। अयोध्या में बुधवार को राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने का कार्यक्रम है। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका ने एक बयान में कहा कि दुनिया और भारतीय उपमहाद्वीप की संस्कृति में रामायण की गहरी और अमिट छाप है। भगवान राम, माता सीता और रामायण की गाथा हजारों वर्षों से हमारी सांस्कृतिक और धार्मिक स्मृतियों में प्रकाशपुंज की तरह आलोकित है। उनके मुताबिक, भारतीय मनीषा रामायण के प्रसंगों से धर्म, नीति, कर्तव्यपरायणता, त्याग, उदात्तता, प्रेम, पराक्रम और सेवा की प्रेरणा पाती रही है। उत्तर से दक्षिण, पूरब से पश्चिम तक रामकथा अनेक रूपों में स्वयं को अभिव्यक्त करती चली आ रही है। श्रीहरि के अनगिनत रूपों की तरह ही रामकथा हरिकथा अनंता है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि युग-युगांतर से भगवान राम का चरित्र भारतीय भूभाग में मानवता को जोड़ने का सूत्र रहा है। भगवान राम आश्रय हैं और त्याग भी। राम सबरी के हैं, सुग्रीव के भी। राम वाल्मीकि के हैं और भास के भी। राम कंबन के हैं और एणुत्तच्छन के भी। राम कबीर के हैं, तुलसीदास के हैं, रैदास के हैं। सबके दाता राम हैं। उन्होंने कहा कि गांधी के रघुपति राघव राजा राम सबको सन्मति देने वाले हैं। वारिस अली शाह कहते हैं जो रब है वही राम है। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त राम को 'निर्बल का बल कहते हैं। महाप्राण निराला 'वह एक और मन रहा राम का जो न थका की कालजयी पंक्तियों से भगवान राम को 'शक्ति की मौलिक कल्पना कहते हैं।

संकट के बीच राहत, देश में कोरोना रिकवरी दर 66 प्रतिशत के पार

नेशनल डेस्क। देशभर में पिछले 24 घंटे में 44,306 कोरोना संक्रमित व्यक्ति के रोगमुक्त होने से कोरोना रिकवरी दर बढ़कर 66 प्रतिशत के पार रिकॉर्ड 66.31 प्रतिशत हो गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देशभर में तीन अगस्त को कुल 44,306 कोरोना संक्रमित पूरी तरह ठीक हो गये, जिससे रिकवरी दर बढ़कर 66.31 प्रतिशत हो गयी है। अब तक पूरे देश में 12,30,509 कोरोना संक्रमित संक्रमणमुक्त हो चुके हैं। पिछले 24 घंटे के दौरान देश में संक्रमण के 52,050 नये मामले सामने आये लेकिन इसी अवधि में 44,306 संक्रमितों के रोगमुक्त होने और 803 मरीजों की मौत होने से संक्रमण के सक्रिय मामलों में मात्र 6,941 की बढ़ोतरी हुई है। देश में फिलहाल संक्रमण के 5,86,298 सक्रिय मामले हैं। रोगमुक्त मरीजों और संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या का फासला बढ़कर अब 6,44,211 हो गया है। तीन अगस्त को सबसे अधिक कोरोना संक्रमित महाराष्ट्र में स्वस्थ हुए हैं। राज्य में पिछले 24 घंटे के दौरान 10,221 कोरोना संक्रमित रोगमुक्त हुए हैं। इसके अलावा आंध्रप्रदेश में 5,786, तमिलनाडु में 5,800, कर्नाटक में 4755, उत्तर प्रदेश में 2,225,I ओडिशा में 1,119,असम में 1,044, गुजरात में 974, दिल्ली में 937 और जम्मू कश्मीर में 905 कोरोना संक्रमित संक्रमणमुक्त हुए हैं।

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के आंदोलन ने बना दिया बीजेपी को राजनीति का बाहुबली

यूपी डेस्क ।

आज अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन अपने लक्ष्य को पा लेगी लेकिन कभी आपने सोचा है कि 80 के दशक से परवान पर चढ़े राम मंदिर आंदोलन के इस समुद्र मंथन से निकले अमृत का घड़ा किसके हाथ में गया। जी हां इस सवाल के उत्तर में पिछले 40 साल के भारत की राजनीति की दशा दिशा बदलने का रहस्य छिपा है। 2020 में खड़े होकर अगर आप 1980 से लेकर हुए अब तक के सियासी परिवर्तन का मूल्यांकन करेंगे तो आप इसी नतीजे पर पहुंचेंगे कि भारतीय जनता पार्टी को ही राम मंदिर के समुद्र मंथन से निकले अमृत कलश का पान करने का पुण्य हासिल हुआ। अगर बीजेपी के अलावा थोड़ा बहुत लाभ हुआ तो वो महाराष्ट्र में शिवसेना को ही इस अमृत कलश से टपके कुछ बूंदों को स्वाद मिल पाया। भले ही अभी शिवसेना, बीजेपी से दूर हो गई हो लेकिन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद पर तो बाल ठाकरे के पुत्र उद्धव ठाकरे का ही कब्जा है। थोड़ा टाइमलाइन को अस्सी के दशक में ले जाते हैं। 6 अप्रैल 1980 को जनसंघ से ही भारतीय जनता पार्टी का उद्भव हुआ था। अब भी भारतीय जनता पार्टी का संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी को ही माना जाता है। जनसंघ के बाद भाजपा के नए कलेवर में नई राजनीतिक तौर तरीकों को भी अपनाया गया। 1980 में बीजेपी का पहला राष्ट्रीय अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी को बनाया गया। 1980 के दशक में विश्व हिन्दू परिषद ने अयोध्या में राम का मन्दिर निर्माण के उद्देश्य से एक अभियान की शुरूआत की थी। 8 वीं लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले वीएचपी और आरएसएस ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए एक मुहिम छेड़ी थी लेकिन लोकसभा चुनाव पर इसका ख़ास असर नहीं दिखा। इस चुनाव में बीजेपी के ख़राब प्रदर्शन की एक अलग वजह थी। इंदिरा गांधी की हत्या से राजीव गांधी और कांग्रेस को मिली सहानुभूति के सामने बीजेपी की एक ना चली और 1984 के आम चुनावों में इसे केवल दो लोकसभा सीट ही मिल पाई थी। हालांकि लोकसभा चुनाव में बदतर प्रदर्शन के बावजूद भी बीजेपी ने राम मंदिर के आंदोलन को भरपूर समर्थन दिया और 1989 के नौंवी लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने राम मंदिर को चुनावी मुद्दा बनाया। बीजेपी ने 11 जून 1989 को पालमपुर कार्यसमिति में प्रस्ताव पास किया कि अदालत इस मामले का फ़ैसला नहीं कर सकती और सरकार समझौते या संसद में क़ानून बनाकर राम जन्मस्थान हिंदुओं को सौंप दे। अब तक इंदिरा गांधी की हत्या की सहानुभूति भी कांग्रेस खो चुकी थी बीजेपी ने 1989 के लोकसभा चुनाव में काफी ज्यादा सीट हासिल की थी। पिछले लोकसभा चुनाव में महज दो सीट हासिल करने वाली बीजेपी ने 1989 में 85 सीट हासिल की थी.इसके बाद बीजेपी ने नेशनल फ्रंट की विश्वनाथ प्रताप सिंह सरकार को समर्थन दिया और कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया। सितंबर 1990 में लालकृष्ण आडवाणी ने राम मंदिर आंदोलन के समर्थन में अयोध्या के लिए ÷रथ यात्रा÷ आरम्भ की। ये रथ यात्रा आजाद भारत के राजनीतिक परिवर्तन का एक सबसे अहम पड़ाव साबिक हुआ। इस यात्रा के दौरान ही बिहार के मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने आडवाणी को गिरफ्तार कर लिया लेकिन कारसेवक और संघ परिवार के कार्यकर्ता इसके बावजूद अयोध्या पहुंच गए और बाबरी ढांचे के विध्वंस के लिए हमला कर दिया। इसके बाद पारा मिलिट्री बल के साथ हुए संघर्ष में कई कार सेवक मारे गए। इससे गुस्साई बीजेपी नेतृत्व ने विश्वनाथ प्रताप सिंह सरकार से समर्थन वापस ले लिया और 1991 में बीजेपी 10 वीं लोकसभा चुनाव में राम मंदिर के लिए रथ यात्रा को मुद्दा बनाया। इन चुनावों में बीजेपी ने 120 सीटों पर जीत हासिल कर सबको हैरान कर दिया। राम मंदिर के समर्थन का ही नतीजा था कि बीजेपी लोकसभा में 120 सीट हासिल कर ली। बीजेपी और संघ परिवार ने इस मुद्दे पर आर पार करने का मन बना लिया। 6 दिसंबर 1992 को हिंदुत्ववादी संगठनों के कार्यकर्ताओं की उन्मादी भीड़ ने विवादित ढ़ांचे को गिरा दिया।

बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद देश में दंगे भड़क गए। विहिप को कुछ समय के लिए सरकार ने प्रतिबन्धित कर दिया था। लालकृष्ण आडवाणी सहित बीजेपी के नेताओं को भड़काऊ भाषण देने की वजह से गिरफ़्तार कर लिया। 1996 के संसदीय चुनाव में राम मंदिर के मुद्दे से बीजेपी को फायदा मिला। लोकसभा चुनाव में 161 सीट जीतकर बीजेपी सबसे बड़े दल के तौर पर उभरी। और पहली बार भारतीय जनता पार्टी ने 13 दिन के लिए ही सही सरकार बनाई।

जहरीली शराब कांड- अपनी ही पार्टी के सदस्यों ने कैप्टन को घेरा

पंजाब। पंजाब में जहरीली शराब के सेवन से मरने वालों का आंकड़ा 100 के पार पहुंच चुका हैं। ऐसे में राज्य सरकार के खिलाफ सभी विपक्षी दलों ने मोर्चा खोल लिया है। चारों तरफ से निशाने पर घिरी कैप्टन सरकार के खिलाफ अब उनके ही मंत्रिमंडल के नेता भी उन पर निशाना साध रहे है। दो सांसदों राज्य सभा सदस्य प्रताप सिंह बाजवा और शमशेर सिंह दुलो ने अपनी ही पार्टी की सरकार को आड़े हाथों लिया और शराब की अवैध बिक्री की सीबीआई व ईडी से जांच कराने के लिए राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने राज्य प्रशासन पर स्पष्ट रूप से नाकाम रहने का आरोप लगाया तथा दावा किया कि अगर मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने अवैध शराब के कारोबार की शिकायतों पर समय रहते कार्रवाई की होती, तो यह घटना टल सकती थी। जहरीली शराब से हुई मौतों के लिए भाजपा ने मांगा कैप्टन का इस्तीफा भाजपा के प्रदेश महामंत्री जीवन गुप्ता ने आज यहां बयान जारी कर कहा कि जहरीली शराब पीने जहां सौ से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है वहीं अनेक विभिन्न अस्पतालों में जिंदगी-मौत की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इतने लोगों की भयानक मौत के लिए कथित तौर पर मुख्यमंत्री जिम्मेदार हैं तथा उन्हें नैतिकता तथा उन्हें नैतिकता तथा उन्हें नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए।

अमित शाह के शामिल न होने से राम मंदिर का 'भूमि पूजन रहेगा फीकाः शिवसेना

नेशनल डेस्क।

शिवसेना ने मंगलवार को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के भूमि पूजन को लेकर पूरा देश उत्साहित है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इसकी नींव रखने से बड़ा स्वर्णिम पल और कोई नहीं हो सकता। शिवसेना ने अपने मुखपत्र 'सामना% के सम्पादकीय में कहा कि देश में कोविड-19 संकट जारी है लेकिन भगवान राम के आर्शिवाद से वह भी खत्म हो जाएगा। उसने कोरोना वायरस से संक्रमित केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यक्रम में शामिल ना होने पर उसके थोड़ा फीका पड़ने की बात भी कही। शाह ने रविवार को ही कोरोना वायरस से अपने संक्रमित होने की जानकारी दी थी। शिवसेना ने कहा कि वह उनके जल्द ठीक होने की कामना करती है। साथ ही उसने कहा कि शाह के बीमार होने से राजस्थान में अशाके गहलोत सरकार पर मंडरा रहा खतरा कम नहीं हो जाता। गहलोत को इससे खुश होने की जरूरत नहीं है क्योंकि भाजपा नेता कहीं भी हों, वह अपनी राजनीति जारी रखेंगे। मराठी दैनिक पत्र ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी खुद अयोध्या जाकर भूमि पूजन करेंगे। राम मंदिर निर्माण को लेकर एक लंबी लड़ाई लड़ने वाले भाजपा के वरिष्ठ नेता एल. के. अडवाणी और मुरली मनोहर जोशी दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए इसमें हिस्सा लेंगे। वह कोविड-19 के मद्देनजर अयोध्या नहीं जर रहे। इस अभियान से जुड़ी रहीं उमा भारती भी अयोध्या नहीं जाएंगी। शिवसेना ने म को लेकर उत्साहित है। देश के प्रधानमंत्री के मंदिर की नींव रखने से बड़ा स्वर्णिम पल कोई नहीं हो सकता। पार्टी कोरोना वायरस फैला है। अयोध्या, उत्तर प्रदेश और पूरे देश में यह फैला है।

बिहार डीजीपी का आरोप- मुंबई पुलिस ने हमारे साथ बंद की बातचीत, कुछ गलत लग रहा है

पटना। सुशांत मामले में बिहार और मुंबई पुलिस लगातार आमने-सामने आते दिख रहे हैं। बिहार पुलिस द्वारा आरोप लगाए जा रहे हैं कि जांच में मुंबई पुलिस उनका सहयोग नहीं कर रही। इन सब के बीच बिहार के डीजीपी गुप्तेश्वर पांडेय ने मुंबई पुलिस पर गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मुंबई पुलिस ने हमारे साथ सभी संचार चैनल बंद कर दिए हैं। इससे लगता है कि कुछ गलत है। डीजीपी ने कहा कि मुंबई में सुशांत केस की जांच का नेतृत्व करने गए बिहार के आईपीएस अधिकारी विनय तिवारी को जबरन क्वारंटाइन किया गया। यदि महाराष्ट्र सरकार को अपनी पुलिस पर गर्व है, तो हमें बताएं कि सुशांत सिंह राजपूत की मृत्यु के 50 दिनों के बाद उन्होंने क्या किया है। मुंबई पुलिस ने हमारे साथ सभी तरह की बातचीत बंद कर दी है। इससे ये लगता है कि कुछ तो गलत है। गुप्तेश्वर पांडेय ने बताया कि सुशांत मामले में उन्होंने खुद कई बार महाराष्ट्र के डीजीपी और मुंबई के पुलिस कमिश्नर से बात करने की कोशिश की, लेकिन न ही उन्होंने कॉल उठाई और न ही मैसेज का जवाब दिया।

सुशांत सुसाइड मामलें में बिहार सरकार पर भड़की कांग्रेस, कहा- महाराष्ट्र में दखलअंदाजी नहीं कर सकती

जैसलमेरा। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत आत्महत्या मामले में महाराष्ट्र पुलिस द्वारा सहयोग नहीं किए जाने के बिहार सरकार के आरोप पर पलटवार करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने मंगलवार को यहां कहा कि बिहार सरकार महाराष्ट्र के अधिकार क्षेत्र में दखलअंदाजी नहीं कर सकती। इस बारे में पूछे गए एक सवाल पर सुरजेवाला ने यहां कहा, इस देश का संविधान और कानून यह कहता है किसी प्रदेश के अंदर कानून व्यवस्था की जिम्मेवारी प्रदेश की सरकार की है। महाराष्ट्र में कानून व्यवस्था की पूरी जिम्मेवारी महाराष्ट्र सरकार की है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को संविधान दुबारा पढना चाहिए। नीतीश कुमार या बिहार की सरकार जबरन पुलिस भेज कर महाराष्ट्र के अधिकार क्षेत्र यानी परिधि के अंदर दखलअंदाजी नहीं कर सकते क्योंकि अगर एक प्रांत की पुलिस दूसरे प्रांत के अंदर जाकर जांच करेंगी तो फिर अराजकता फैल जाएगी। सुरजेवाला ने कहा कि ऐसे मामलों में दूसरे राज्य की पुलिस से संपर्क कर सहयोग लेना चाहिए। सुरजेवाला ने राजस्थान हालिया कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा, राजस्थान की एसओजी जब हरियाणा गई ।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

उलझती पुलिस

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की कथित खुदकुशी मामले की जांच में महाराष्ट्र पुलिस और बिहार पुलिस के बीच जिस तरह की खींचतान चल रही है, उसने एक बार फिर भारतीय संघीय ढांचे की कमियों और पुलिस सुधार की जरूरत की ओर हमारा ध्यान खींचा है। इस बेहद चर्चित मामले में दोनों प्रदेशों में एफआईआर दर्ज हैं, और दोनों राज्यों की पुलिस टीमें अपने-अपने तईं जांच में जुटी हैं। आदर्श स्थिति तो यही थी कि दोनों के बीच बेहतर तालमेल होता और एक रिकॉर्ड वक्त में इस मामले को सुलझाकर वे देश के सामने मिसाल पेश करतीं। पर जांच के लिए मुंबई पहुंचे बिहार पुलिस के अधिकारियों से जैसा सुलूक किया गया, वह न सिर्फ आपत्तिजनक है, बल्कि मुंबई पुलिस की मंशा को भी संदेहों के घेरे में ला देता है। बिहार पुलिस की शिकायत है कि मुंबई पहुंची कनिष्ठ अधिकारियों की टीम को जब स्थानीय पुलिस से मदद नहीं मिली, तो टीम के मार्गदर्शन के लिए आईपीएस विनय तिवारी को वहां भेजा गया, मगर उन्हें वहां बीएमसी ने 'जबरिया' क्वारंटीन कर दिया। और अब इस मामले की जांच के बिंदुओं को ज्यों उछाला जा रहा है, वह भी मुंबई पुलिस के पेशेवर होने के दावे के विपरीत है। अलबत्ता, यह पहली बार नहीं है कि किसी मामले में दो राज्यों की पुलिस आमने-सामने आ गई हो। अभी ज्यादा दिन नहीं हुए हैं, जब राजस्थान के पुलिस महानिदेशक को हरियाणा के अपने समकक्ष को बाकायदा खत लिखकर अनुरोध करना पड़ा था कि उनकी जांच टीम के साथ सहयोग किया जाए। दरअसल, राजस्थान पुलिस का 'स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप' विधायकों के पाला बदलने के मामले में पैसे के लेन-देन की जांच कर रहा था, मगर हरियाणा के मानेसर में स्थानीय पुलिस ने उसे इसके लिए होटल परिसर में प्रवेश की इजाजत नहीं दी थी। पश्चिम बंगाल पुलिस और केंद्रीय जांच एजेंसियों की लड़ाई तो शीर्ष अदालत तक पहुंच गई थी और उसके हस्तक्षेप के बाद ही वह टकराव थमा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की आपत्ति अपनी जगह दुरुस्त है कि सुशांत की कथित आत्महत्या एक आपराधिक मामला है और बिहार पुलिस के दायित्व निर्वहन में कोई अड़ंगा नहीं डाला जाना चाहिए। इस घटना से जुड़ा एक पहलू अदालत में भी है और उसके फैसले का इंतजार है। मगर मुंबई पुलिस के पेशेवर रुख न अपनाने का ही नतीजा है कि सुशांत की मौत की जांच उनके गृह राज्य में एक सियासी शक्ल लेती जा रही है। बिहार में चंद महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और नौजवानों में सुशांत की लोकप्रियता को देखते हुए वहां की तमाम राजनीतिक पार्टियां जांच सीबीआई को सौंपने की मांग करने लगी हैं। महाराष्ट्र पुलिस पर सुशांत-प्रशंसकों का कितना दबाव है, इसका अंदाजा इसी बात से लग जाता है कि राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को खुद आगे आकर कहना पड़ा है कि 'मुंबई पुलिस पर भरोसा करें और यदि कोई जानकारी किसी प्रशंसक के पास है, तो वह पुलिस से उसे साझा करे।' बहरहाल, इस तरह की स्थितियां पुलिस की छवि को और मलिन करती हैं। अब लगभग हरेक मामले में सीबीआई जांच की मांग की जाने लगी है, तो इसकी वजह यही है कि राज्यों की पुलिस लोगों का भरोसा जीतने में नाकाम होती गई है। उसे यदि अपनी प्रतिष्ठा हासिल करनी है, तो उसको सत्य के साथ अडिग दिखना पड़ेगा।

कार्यालय की कार्य-संस्कृति में अफसरी की कसक

गुरबचन जगत

स्टाफ ऑफिसर या दफ्तर में बैठकर काम करने वाले अफसर की श्रेणियां ब्रिटिश सेना के स्रोत के मुताबिक कुछ यूं हैं एक, वह जो उच्च कमान में काम करने लायक हो; बुद्धिमान और सख्त मेहनती हो-ऐसा व्यक्ति आदर्श दफ्तरी अफसर होता है और एक वह जो कुछ-कुछ सुस्त किंतु कर्मठ हो-परंतु ऐसा अफसर संगठन के लिए खतरा होता है। तथापि जरूरी नहीं यह परिभाषा भी एकदम सटीक बैठती हो, क्योंकि अफसर या खुद में सुधार लाते रहते हैं या फिर अपने खोल में घुसे रह सकते हैं। पुलिस सचिवालय में मेरे कार्यकाल दो अवधियों वाले हैं, एक अल्पकालीन, जो वर्ष 1977-78 में था, तो वहीं साल 1982-97 के दौरान बीच-बीच में मेरी नियुक्ति अधिक अपेक्षाकृत ज्यादा समय वाली थीं (इस अंतराल में पंजाब पुलिस आवास निगम का पहला प्रबंध निदेशक भी रहा था)। पुलिस सचिवालय में जब मेरा कार्यकाल लंबा चला था तो सीआईडी और प्रशासनिक विभाग में अलग-अलग जिम्मेवारियां सौंपी गईं। एक मौका ऐसा भी था जब मैंने पुलिस विभाग के मुखिया और सीआईडी विभागाध्यक्ष, दोनों के लिए, ठीक एक ही समय काम किया था, जिससे कई बार विकट स्थिति पैदा हो जाती थी। ऐसा ही एक वाकया है वर्ष 1977 में सरकार बदल गई थी। हमें नए पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) और सीआईडी विभाग को नए उप-महानिरीक्षक (डीआईजी) मिले (उन दिनों पुलिस महानिदेशक यानी डीजीपी और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीशनल डीजीपी) का पद नहीं हुआ करता था)। जिन्हें सीआईडी का उप-महानिरीक्षक बनाया गया था, मूलतः वे फील्ड में काम करने के आदी थे। उन्हें मेज-कुर्सी वाला काम जरा नहीं भाता था। उन्होंने नई जिम्मेवारी से नाखुशी को जगजाहिर किया भी था, परंतु महानिरीक्षक की सलाह पर मुख्यमंत्री ने ठान रखी थी कि उन्हें ही इस पद पर बैठाना है। शायद महानिरीक्षक नहीं चाहते थे कि विभाग में कोई अन्य ऐसा हो जो समांतर शक्ति केंद्र बन जाए। महानिरीक्षक-सीआईडी पद पर आसीन अफसर की एक अलग शक्ति-केंद्र बनने की संभावना रहती है। मुख्यमंत्री रोजाना उससे निजी मुलाकात में राज्य की तमाम गुप्त जानकारियां लेते हैं। उन दिनों मैं सीआईडी के उपमहानिरीक्षक के लिए स्टाफ ऑफिसर की भूमिका निभाया करता था। हालांकि, कागजों में मेरा पदभार कुछ और ही था। मैंने इससे पहले उक्त महाशय के साथ कभी काम नहीं किया था। अपने विभागाध्यक्ष के साथ सफल साझेदारी बनाने को उसकी निजी आदतें और कामकाज के तरीके का पता होना जरूरी होता है। मेरे पिछले विभागाध्यक्ष अपनी तरह के विलक्षण अफसर थे। उनके साथ काम करके नित नया सीखने को मिलता था। खैर, पिछले साहिब ने मुझे कहा था कि हर सुबह सबसे पहले वह फाइलें प्रस्तुत किया करूं जिन्हें तरजीह देने की जरूरत हो और रोजमर्रा वाली फाइलें अलग रख दिया करूं। मैंने नए साहब के लिए भी ठीक वैसा किया, उन्होंने मेरी ओर देखा और सबको एकसाथ मेज पर रखकर वापस जाने को कहा। अगली कुछ मर्तबा मैंने अपने सामने अतिआवश्यक फाइलें पहले निपटवाने का प्रयास किया। लेकिन असफल रहा, इसके बाद मैंने यह करना बंद कर दिया और अति-जरूरी फाइलें उनके पास भिजवाने लगा, परंतु वे जल्द लौटकर मेरे पास नहीं आती थीं। इसको लेकर मैंने एक पुराने साथी अफसर से बात की जो उनके साथ पहले काम कर चुका था, उसने पूछा कि जब फाइलें लेकर कमरे में जाते हो तो वे उस वक्त क्या कर रहे होते हैं? मैंने कहा कुछ नहीं। इस पर उसने मुझे सलाह दी कि चूंकि उपमहानिरीक्षक उनमें नहीं है जो सुबह-सुबह काम में जुट जाएं, इसलिए मैं फाइलें लेकर दोपहर में जाया करूं, तब वे तुरंत देखकर निपटा देंगे। उनकी दी यह सलाह काम कर गई। संबंध सहज होते ही उन्हें याद दिलवाया कि पदभार संभालने के बाद उन्होंने एक बार भी मुख्यमंत्री से मुलाकात नहीं की है, जबकि उन्हें प्रतिदिन व्यक्तिगत रूप में जानकारी देनी बनती है। उलटे मुझसे कहा यह काम मैं कर दिया करूं, परंतु मैंने नम्रतापूर्वक मना कर दिया। इस पर उन्होंने चंडीगढ़ सीआईडी इकाई के डीएसपी को तलब किया और उसे रोजाना मुख्यमंत्री को जानकारी उपलब्ध करवाने की जिम्मेवारी सौंप दी। आश्चर्य मुख्यमंत्री ने भी इस स्थिति को स्वीकार कर लिया! चूंकि उपमहानिरीक्षक और महानिरीक्षक के बीच संवाद बहुत कम था लिहाजा मध्यस्थ की भूमिका मेरे ऊपर थी। सीआईडी विभाग राज्य की अपराध-स्थिति पर अपनी समीक्षा सरकार को प्रस्तुत करती है। इसके लिए पहले सभी जिलों के पुलिस अधीक्षक महीनावार अपराध पुस्तिका में सभी आंकड़े एक खास कामकाजी प्रारूप में दर्ज कर इकट्ठा करते हैं। इस पुस्तिका को आकलन उपरांत सीआईडी उपमहानिरीक्षक के सामने रखा जाता है। जब नए साहिब के सामने ऐसी पहली पुस्तिका पेश की गई तो उन्होंने मुझसे दरियाफ्त की कि मैंने इसे उन्हें क्यूं भेजा है? मैंने बताया कि महानिरीक्षक और सरकार के सामने पेश किए जाने से पहले इस पर उनकी विवेचना की जरूरत है। उन्होंने मुझे निर्देश दिया कि मैं इसे वापस ले जाऊं और एक अलग कागज पर अपनी ओर से टिप्पणी लिखकर लाऊं, जिसको देखने के बाद वे अपनी सहमति देंगे। उन्होंने आगे मुझे यह भी कहा अपराधों की संगीनता को कमतर करके न दिखाया जाए और विश्लेषण का सुर आलोचनात्मक रहे। इस पर मुझे खासा दिमाग खपाना पड़ा और जितना कर सकता था उतनी बेबाक और तीखी समीक्षा कर डाली और उनके पास भिजवा दी, उन्होंने भी उक्त टिप्पणी को फाइल पर हू-ब-हू उतार दिया! चंद घंटों बाद महानिरीक्षक साहिब ने अपने सामने पेश होने के लिए बुलवा भेजा। वे अपनी कुर्सी से उठे और फाइल फेंकते हुए बोले कि सीआईडी विभाग में क्या बकवास पक रहा है? मुझे बेकसूर पाकर उन्होंने आखिर में मुझे बैठने को कहा और उपमहानिरीक्षक महोदय की समीक्षा को पंक्ति-दर-पंक्ति पढ़कर सुनाया (जो वास्तव में मेरी लिखी हुई थी!), महानिरीक्षक साहिब का पारा सातवें आसमान पर था लेकिन मैं लगातार चुप्पी साधे रहा। फिर उन्होंने मुझे फाइल वापस ले जाकर इस बार उनकी तरफ से टिप्पणी दर्ज करने को कहा, जिसमें उपमहानिरीक्षक के लिखे का बिंदुवार नकारने वाला जवाब हो। मैंने उनके कमरे से फौरी रवानगी डाली लेकिन बाहर आने पर समझ न आए कि अब हंसू कि रोऊं! बिना शक मैंने जितना बेहतर बन पड़ा उतना शब्दजाल बुना ताकि महानिरीक्षक की तसल्ली बन सके। मेरी टिप्पणी उन्हें जंच गई और महानिरीक्षक महोदय ने भी इसे फाइल पर दर्ज वैसे का वैसा लिखकर आगे सरकार को भेज दिया। सौभाग्यवश ऊपर से कोई जवाबतलबी नहीं हुई, लेकिन आईंदा मैं उन शब्दों को लेकर सावधान रहा जो मैंने पहली वाली टिप्पणी में लिखे थे! परंतु उप-महानिरीक्षक एक सहृदय इंसान थे। फिर हम दोनों के बीच संबंध मधुर रहे। तथापि वे खुद को सचिवालय रूपी पिंजरे में कैद शेर की मानिंद देखते थे। कुर्सी से चिपककर फाइलें निपटाने का नीरस काम सौंप दिया गया है। एक सुबह उन्होंने मुझे बुलाया और खुशी उनके चेहरे पर झलक रही थी, उनकी बदली पटियाला में बतौर उपमहानिरीक्षक-रेंज हो गई थी। फील्ड में काम करना सदा उनका पहला प्यार रहा था। मैंने लेख की शुरुआत जिस परिभाषा से की थी यानी एक बुद्धिमान और सख्त मेहनती अफसर दफ्तरी काम के लिए बना है, भले ही राजनीति कुछ भी हो। तो मैंने बतौर उक्त किस्म वाला कर्मी एक लंबे समय तक दफ्तर में बैठकर काम किया है, लेकिन भाग्य ने मुझे दो प्रमुख बलों-जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीमा सुरक्षा बल का मुखिया होने का मौका दिया, हालांकि मुझे नहीं मालूम कि क्या मैं सुस्त किंतु कर्मठ श्रेणी से हूं या बुद्धिमान और सख्त मेहनती वाले वर्ग से? इसका जवाब शायद मेरे उक्त दोनों बड़े अफसर साहिबान बेहतर दे पाएं! लेखक यूपीएससी के अध्यक्ष एवं मणिपुर के राज्यपाल रहे हैं।

आज के ट्वीट

संस्कृती

एक राजस्थानी महिला का सब्जी बेचते हुए अपने हाथो से मोरनी को दाने खिलाने का वीडियो बहुत वाइरल हो रहा. स्त्री अपनी हथेली पर दाने रखती जा रही है और मोरनी अत्यन्त प्यार से हथेली मे उन्हें चुगे जा रही है.वीडियो देख कर दिल प्रसन्न हो जाता है. 'पेटा वालो', यह है हमारी संस्कृति और परम्परा

--अर्णव गोस्वामी

ज्ञान गंगा

विश्वास और विवेक

आचार्य रजनीश ओशो/ बुद्ध एक गांव में गए थे। एक अंधे आदमी को कुछ लोग उनके पास लाए और उन मित्रों ने कहा कि यह आदमी अंधा है और हम इसके परम मित्र हैं। और हम इसे सब भांति समझाने की कोशिश करते हैं कि प्रकाश है, लेकिन यह मानने को राजी नहीं होता और इसकी दलीलें ऐसी हैं कि हम हार जाते हैं। और हम जानते हैं कि प्रकाश है, हमें देखते हुए हारना पड़ता है। यह आदमी हमसे कहता है, मैं प्रकाश को छूकर देखना चाहता हूं। अब हम प्रकाश का स्पर्श कैसे करवाएं? यह आदमी कहता है छोड़ो, स्पर्श न हो सके तो मैं सुन कर देखना चाहता हूं मेरे पास कान हैं। तुम प्रकाश में आवाज करो, मैं सुन लूं। छोड़ो, यह भी न हो सके तो मैं स्वाद लेकर देख लूं या प्रकाश में कोई गंध हो तो गंध लेकर देख लूं। प्रकाश तो आंख से देखा जा सकता है और आंख इसके पास नहीं है। और यह आदमी यह कहता है कि तुम फिजूल ही मुझे अंधा सिद्ध करने को प्रकाश की बातें करते हो। तो हमने सोचा, आप इस गांव में आए हैं, शायद आप इसको समझा सकें। बुद्ध ने कहा कि मैं इसे समझाने के पागलपन में नहीं पड़ूंगा। आदमी की आज तक मुसीबत ही उन लोगों ने की है, जिन लोगों ने आदमी को ऐसी बातें समझाने की कोशिशें की हैं, जो उनको दिखाई नहीं पड़ती। तो बुद्ध ने कहा कि मैं यह गलती करने वाला नहीं हूं। मैं तो इतना कह सकता हूं कि इस आदमी को तुम गलत जगह ले आए हो। मेरे पास लाने की जरूरत न थी। किसी वैद्य के पास ले जाओ जो इसकी आंख का इलाज कर सके। इसे उपदेश की नहीं, उपचार की जरूरत है। इसकी आंख ठीक होनी चाहिए। और आंख ठीक हो जाए तो तुम्हें समझाने की जरूरत न पड़ेगी, यह खुद ही देख सकेगा, खुद ही जान सकेगा। उनको बात ठीक जंची। बुद्ध ने कहा है कि मैं तो धर्म को उपदेश नहीं मानता हूं उपचार मानता हूं। तो इसे ले जाओ। वे उस अंधे को ले गए और भाग्य की बात थी कि वह अंधा कुछ महीनों के इलाज से ठीक हो गया। बुद्ध तो दूसरे गांव चले गए थे। वह अंधा आदमी ठीक हो गया था। वह बुद्ध के चरण छूने गया और उसने उन्हें प्रणाम किया और उसने कहा कि मैं गलती में था। प्रकाश तो था, लेकिन मेरे पास आंख नहीं थी। बुद्ध ने कहा तू गलती में जरूर था, लेकिन तूने जिद की कि जब तक आंख न होगी तब तक मैं मानने को राजी न होऊंगा, तो तेरे आंख का इलाज भी हो सका। अगर तू मान लेता उन मित्रों की बात कि तुम कहते हो तो ठीक है, तो बात वहीं खत्म हो जाती।

आज का राशिफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से धन लाभ के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे।

कर्क संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भारी व्यय की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय हो सकता है।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी। धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

अभिव्यक्ति की आज़ादी का प्रश्न

अनूप भटनागर

देश की शीर्ष अदालत में न्यायालय की अवमानना कानून में आपराधिक अवमानना को परिभाषित करने से संबंधित एक प्रावधान को चुनौती दी गयी है। तर्क यह दिया गया है कि इस कानून के प्रावधान से संविधान में प्रदत्त बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का हनन होता है। यह एक विचार हो सकता है लेकिन हकीकत तो यह है कि संविधान के अनुच्छेद 19 में प्रदत्त बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार कभी भी निर्बाध नहीं रहा है और इसे तर्कसंगत तरीके से सीमित किया जा सकता है।न्यायालय की अवमानना कानून, 1971 की धारा 2(सी)(1) के प्रावधान को संविधान के अनुच्छेद 19 में प्रदत्त बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार के संदर्भ में चुनौती दी गयी है। इस धारा के अनुसार न्यायालय को बदनाम करने अथवा उसके प्राधिकार को ठेस पहुंचाने संबंधी किसी सामग्री का प्रकाशन या ऐसा कोई अन्य कृत्य आपराधिक अवमानना है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी को लोकतंत्र की आत्मा कहा जाता है लेकिन संविधान के अनुच्छेद 19 (1)(ए) में प्रदत्त बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार असीमित नहीं है। कुछ विषयों के संबंध में इसे प्रतिबंधित भी किया गया है। ऐसे प्रतिबंधों में ही न्यायालय की अवमानना भी शामिल है। इस संबंध में उच्चतम न्यायालय कई फैसले दे चुका है। अवमानना कानून के संदर्भ में लेखिका अरुन्धती राय को न्यायालय की अवमानना के लिये दोषी ठहराते हुए शीर्ष अदालत ने छह मार्च, 2002 को अपने फैसले में स्पष्ट शब्दों में कहा था कि कोई भी व्यक्ति संविधान में प्रदत्त बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी की आड़ में कानून का शासन कायम करने के लिये स्थापित अदालतों का सम्मान करने के कानून का उल्लंघन नहीं कर सकता है। न्यायमूर्ति जीबी पटनायक और न्यायमूर्ति आरपी सेठी ने यह फैसला सुनाते हुए अरुन्धती राय को सांकेतिक रूप से एक दिन की कैद और दो हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। इस मुद्दे को वरिष्ठ पत्रकार अरुण शौरी, एन. राम और अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने उठाया है। इन सभी का तर्क है कि अवमानना कानून का यह प्रावधान असंवैधानिक है क्योंकि यह संविधान की प्रस्तावना में प्रदत्त मूल्यों और बुनियादी सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है क्योंकि यह संविधान के अनुच्छेद 19 (1)(ए) में प्रदत्त बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का उल्लंघन करता है।चूंकि न्यायालय की अवमानना कानून का यह प्रावधान लंबे समय से विवाद का मुद्दा बना हुआ है। इस विवाद को ध्यान में रखते हुए ही मार्च 2018 में नरेन्द्र मोदी सरकार ने इस विषय को विधि आयोग के पास विचारार्थ भेजा था। यह विषय इस कानून की धारा 2 में संशोधन के बारे में न्यायालय द्वारा दिये गये निर्देशों और आदेशों की जान-बूझकर अवज्ञा करने संबंधी परिभाषा तक सीमित था। आयोग ने इस विषय पर अप्रैल, 2018 में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी, जिसमें उसने इस धारा में किसी प्रकार के बदलाव से अहसमति व्यक्त की थी।विधि आयोग ने 274वीं रिपोर्ट में संविधान के अनुच्छेद 19 (1)(ए) के संदर्भ में अवमानना कानून के प्रावधानों पर विस्तार से विचार किया है। आयोग का कहना है कि जिस संविधान ने नागरिकों को बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार प्रदान किया है, उसी संविधान ने कुछ

शक्तियां न्यायपालिका को भी प्रदान की हैं ताकि इन अधिकारों की आड़ में अदालतों का अपमान होने और न्याय के प्रशासन में हस्तक्षेप को रोका जा सके। रिपोर्ट के अनुसार अगर कोई व्यक्ति अनुच्छेद 19(1)(ए) में प्रदत्त बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार की आड़ में न्यायालय की अवमानना करता है तो न्यायालय ऐसे व्यक्ति को संविधान के अनुच्छेद 129 या अनुच्छेद 215 के तहत दंडित कर सकता है। इस संदर्भ में उच्चतम न्यायालय कई फैसले सुना चुका है।न्यायालय ने कई मामलों में सजा भी दी है। दूसरी ओर, न्यायालय ने अनेक मामलों में ऐसे व्यक्तियों की बिता शर्त क्षमा-याचना स्वीकार करते हुए उन्हें आगाह करते हुए ऐसे मामले बंद कर दिये हैं।जहां तक वकीलों का सवाल है वकीलों से हमेशा यही अपेक्षा है कि वे न्याय के प्रशासन में हस्तक्षेप का प्रयास नहीं करेंगे और न्यायपालिका तथा न्यायाधीशों के प्रति उनका आचरण सम्मानजनक होगा। देश के दो प्रमुख नामचीन पत्रकारों के साथ एक अधिवक्ता ने अभिव्यक्ति की आजादी के संदर्भ में न्यायालय की अवमानना कानून की धारा 2 (सी)(1) की वैधानिकता को चुनौती दी है। उम्मीद है कि अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार के बारे में न्यायालय की सुविचारित व्यवस्था जल्द मिलेगी।

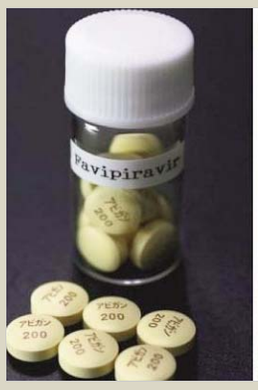

कोरोना मरीजों के लिए अच्छी खबर, सन फार्मा ने लॉन्च की दवा फेविपिराविर- कीमत 35 रुपए

नई दिल्ली। दवा कंपनी सन फार्मास्युटिकल्स इंडस्ट्रीज ने आज मंगलवार को हल्के लक्षण वाले कोरोना मरीजों के इलाज में काम आने वाली दवा फेविपिराविर लॉन्च की है। फेविपिराविर को भारत में ब्रैंड नेम फ्लूगार्ड के नाम से लान्च किया है। कंपनी ने इस दवा को 35 रुपए प्रति टैबलेट की कीमत पर बाजार में उपलब्ध कराया है। बता दें कि फेविपिराविर देश में हल्के से मध्यम लक्षण वाले कोरोना मरीजों के लिए स्वीकृत एकमात्र ओरल एंटी-वायरल दवा है। सन फार्मा के सीईओ कीर्ति गानोरकर ने कहा देश में अब कोरोना वायरस के प्रतिदिन 50 हजार से अधिक केस आ रहे हैं। स्वास्थ्य कर्मियों को इलाज के अधिक विकल्प उपलब्ध कराने की सख्त आवश्यकता है। उन्होंने अपने बयान में कहा हमने किफायती दर पर फ्लूगार्ड लॉन्च कर रहे हैं ताकि यह अधिक से अधिक मरीजों की पहुंच में हो और उन पर आर्थिक बोझ कम पड़े। कंपनी देश भर में इस दवा को मरीजों को उपलब्ध कराने के लिए सरकार और स्वास्थ्य समुदाय के साथ मिलकर काम करेगी। इस सप्ताह फ्लूगार्ड को मार्केट में उतार दिया जाएगा। गौरतलब है कि इससे पहले दवा कंपनी ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स ने भारत में इस दवा को उतारा था। कंपनी ने प्रति टैबलेट की कीमत 103 रुपये रखी थी। बाद में कंपनी ने 27 फीसदी कीमत घटाकर कीमत 75 रुपए प्रति टैबलेट की थी। बता दें, इसकी कीमत रूस में 600 रुपये प्रति टैबलेट, जापान में 378 रुपये, बांग्लादेश में 350 रुपये और चीन में यह 215 रुपये प्रति टैबलेट पड़ रहा है।

नकली मक्खन की बिक्री पर रोक लगा सकती है सरकार

नई दिल्ली। धड़ल्ले से बिकने वाले नकली मक्खन बेचने वालों पर सरकार जल्द ही रोक लगा सकती है। इस मामले में दखल देने के लिए केंद्रीय एमएसएमई मंत्री नितिन गडकरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। गडकरी ने कहा है कि नकली मक्खन के इस्तेमाल से न सिर्फ लोगों की सेहत पर गंभीर असर पड़ रहा, बल्कि पशुपालकों और किसानों को वित्तीय नुकसान भी उठाना पड़ता है। मामले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि गडकरी के पत्र पर त्वरित संज्ञान लेते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय ने भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) को कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। पीएमओ ने कहा है कि एफएसएसएआई तत्काल स्पष्टीकरण और निर्देश जारी करे। साथ ही खाद्य उत्पादों में नकली मक्खन के इस्तेमाल को लेकर भविष्य के लिए गाइडलाइन भी तैयार करे। इसमें बड़ी मात्रा में ट्रांसफैट (संतृप्त वसा) रहती है जो शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ाकर कई गंभीर बीमारियां पैदा कर सकता है। डेयरी से बनने वाले मक्खन की तुलना में यह काफी सस्ता पड़ता है, इसीलिए, होटल, रेस्तरां और पेस्ट्री, पिज्जा, कुकीज व क्रैकर्स जैसे खाद्य उत्पादों में इसका बहुत इस्तेमाल होता है। गडकरी ने प्रधानमंत्री कार्यालय को लिखे पत्र में कहा कि नकली मक्खन की वजह से गाय और भैंस के दूध से बनने वाले डेयरी के मक्खन की बिक्री कम हिस्से में हो रही है। इसका नुकसान किसानों की आमदनी पर पड़ता है। एफएसएसएआई ने खाद्य उत्पाद मानक एवं खाद्य योजक नियम 2011 में बदलाव कर नकली मक्खन को भी डेयरी उत्पादों का हिस्सा बना दिया है, ताकि इसके इस्तेमाल पर बाकायदा लेबलिंग की जा सके। एफएसएसएआई ने स्पष्ट कहा है कि बेकरी या औद्योगिक रूप से बनाए गए नकली मक्खन में ट्रांस फैट की मात्रा 5 फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। बावजूद इसके बाजार में बिकने वाले नकली मक्खन में यह मात्रा मानक से कई गुना ज्यादा रहती है। एफएसएसएआई के अनुसार, 2021 तक खाद्य तेलों और उत्पादों में ट्रांस फैट की मात्रा घटाकर 3 फीसदी और 2022 तक 2 फीसदी किए जाने का लक्ष्य है। साथ ही अगर किसी उत्पाद में ट्रांस फैट या संतृप्त वसा का इस्तेमाल किया गया है तो उसके लेबल पर मात्रा का उल्लेख करना जरूरी होगा। साथ ही अगर किसी उत्पाद में ट्रांस फैट या संतृप्त वसा का इस्तेमाल किया गया है तो उसके लेबल पर मात्रा का उल्लेख करना जरूरी होगा।

सरसों, मूंगफली में हानि, सोयाबीन तेल कीमतों में सुधार

नयी दिल्ली। सस्ते आयातित तेलों के समक्ष ऊंचे दाम पर मांग कमजोर होने से स्थानीय तेल तिलहन बाजार में मंगलवार को सरसों और सरसों दादरी तेल के साथ साथ मूंगफली तेल तिलहन में गिरावट दर्ज हुई। बाजार सूत्रों ने कहा कि सरसों की आगामी फसल आने में आठ महीने की देर है जबकि सोयाबीन, सूरजमुखी और मूंगफली की फसल अगले महीने से महाराष्ट्र, कर्नाटक और गुजरात की मंडियों में आने लगेगी। सस्ते आयात के आगे इन तेलों की कहां खपत होगी, यह चिंता किसानों और तेल उद्योग में व्याप्त है। सूत्रों ने कहा कि सरकार हर साल एमएसपी बढ़ाती है, उसी के मुताबिक तेल के भाव बढ़ने चाहिये लेकिन असली सवाल इन तेलों को खपाने का खड़ा होगा। आयातित पाम तेल का भाव लगभग 75 रुपये किलो बैठता है जबकि सरसों और मूंगफली जैसे देशी तेलों के भाव क्रमशः 110 रुपये और 120 रुपये बैठते हैं। ऐसी में देशी तेलों की कहां खपत होगी? उन्होंने देश में तेल मिलावट (ब्लेंडिंग) को बंद किये जाने की मांग की। सूत्रों का कहना है कि लगभग 110 रुपये बिकने वाले सरसों तेल में सस्ते तेल 10 से 15 प्रतिशत ही रहता है जबकि बाकी पाम और पामोलीन तेल होता है जो लगभग 75 रुपये किलो है। सूत्रों ने कहा कि 75 रुपये किलो बिकने वाले पाम तेल को ब्लेंडिंग के बाद 110 रुपये किलो के भाव बेचा जा रहा है जो उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है और राजस्व की भी हानि हो रही है। बाजार सूत्रों ने कहा कि मौजूदा स्थिति में साल्वेंट एक्ट्रेक्टर्स एसोसियेसन आफ इंडिया (एसईए) और सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसियेशन आफ इंडिया (सोपा) जैसे तेल उद्योग के संगठनों के अलावा तेल तिलहन उद्योग ने सस्ते आयात पर अंकुश लगाने के लिये आयात शुल्क बढ़ाने की मांग की है ताकि आयातित और घरेलू तेलों का बाजार प्रतिस्पर्धी बन सके तेल-तिलहन के सोमवार को बंद भाव इस प्रकार रहे- (भाव- रुपये प्रति क्विंटल) सरसों तिलहन - 4,940- 5,010 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपये। मूंगफली दाना - 4,625- 4,675 रुपये। वनस्पति घी- 965 - 1,070 रुपये प्रति टिन। मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात)- 12,080 रुपये।

मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 1,815- 1,865 रुपये प्रति टिन। सरसों तेल दादरी- 10,300 रुपये प्रति क्विंटल। सरसों पक्की घानी- 1,615 - 1,755 रुपये प्रति टिन। सरसों कच्ची घानी- 1,725 - 1,845 रुपये प्रति टिन। तिल मिल डिलिवरी तेल- 11,000 - 15,000 रुपये।

दिलीप बिल्डकॉन को तेलंगाना में 1,140.50 करोड़ रुपये की सड़क परियोजना का ठेका

नई दिल्ली। दिलीप बिल्डकॉन को तेलंगाना में 1,140.50 करोड़ रुपये की सड़क परियोजना का ठेका मिला है। बीएसई को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि उसे भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा तेलंगाना राज्य के लिए निकली गई निविदा में एल-1 बोलीदाता घोषित किया गया है। कंपनी ने कहा कि इस ठेके का मूल्य 1,140.50 करोड़ रुपये है। इस परियोजना की लंबाई 52.60 किलोमीटर है। इसे दो साल में पूरा किया जाना है।बीएसई में दिलीप बिल्डकॉन का शेयर 1.79 प्रतिशत की बढ़त के साथ 292.20 रुपये प्रति शेयर पर था। बीएसई में दिलीप बिल्डकॉन का शेयर 1.79 प्रतिशत की बढ़त के साथ 292.20 रुपये प्रति शेयर पर था।

जुलाई में निर्यात लगभग पिछले साल के स्तर पर पहुंचा : गोयल

नई दिल्ली। देश के निर्यात में उल्लेखनीय सुधार दिख रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि जुलाई में निर्यात पिछले साल के समान महीने के स्तर के करीब रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कई संकेतक हैं जिनसे पता चलता है कि देश में आर्थिक गतिविधियों की स्थिति सुधर रही है। गोयल ने कहा, 'हमारा निर्यात पिछले साल के जुलाई के स्तर पर पहुंच गया है। जुलाई, 2019 का करीब 90 प्रतिशत निर्यात का आंकड़ा हमने पा लिया है। वास्तव में हम इसमें तेल से संबंधित निर्यात हटा दें, जिसका मूल्य से हिसाब से हिस्सा काफी कम होता है, तो जुलाई में हमारा निर्यात पिछले साल के समान महीने के 95 प्रतिशत से अधिक रहा है।' मंत्री ने कहा आज देश का 'मूड' सिर्फ आर्थिक गतिविधियों को पटरी पर लाने का ही नहीं है, बल्कि आज हम आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं। हम अपने उत्पादों की गुणवत्ता सुधारना चाहते हैं और उनकी कीमतों को प्रतिस्पर्धी करना चाहते हैं। वाणिज्य मंत्रालय जुलाई के निर्यात के आधिकारिक आंकड़े अगस्त मध्य में जारी करेगा। जून में लगातार चौथे महीने देश के निर्यात में गिरावट आई थी। हालांकि, इस दौरान आयात में अधिक बड़ी 47.59 प्रतिशत की गिरावट की वजह से देश 18 साल में पहली बार व्यापार अधिशेष की स्थिति में पहुंचा था।

भारत में 21 यूनिकार्न स्टार्टअप, कुल मूल्यांकन 73 अरब डॉलर, चीन के दसवें हिस्से के बराबरः अध्ययन

मुंबई। भारत में यूनिकॉर्न स्तर के स्टार्टअप की संख्या करीब 21 है। एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य वाले इन स्टार्टअप की संख्या पड़ोसी देश चीन के मुकाबले दसवें हिस्से के बराबर है। भारतीय निवेशकों की 40 से अधिक ऐसी कंपनियां विदेशों में स्थापित हैं। हुरुन की वैश्विक यूनिकॉर्न सूची में 21 भारतीय यूनिकॉर्न कंपनियों का कुल मूल्यांकन 73.2 अरब डॉलर है। अमेरिका, चीन और ब्रिटेन के बाद भारत इस सूची में चौथे स्थान पर है। यूनिकॉर्न ऐसी स्टार्टअप कंपनियों को कहा जाता है जिनका मूल्यांकन एक अरब डॉलर या उससे अधिक होता है। हुरुन की रिपोर्ट के अनुसार चीन में यूनिकॉर्न की संख्या 227 है। ऐसे में भारत में यूनिकॉर्न स्टार्टअप की संख्या उसके दसवें हिस्से के बराबर है। इतना ही नहीं भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों से आने वाले निवेश को विभिन्न नियमों के दायरे में लाये जाने की खबरों के बीच यह बात उल्लेखनीय है कि घरेलू 21 यूनिकॉर्न में से 11 में चीन के तीन निवेशकों का बड़ा हिस्सा है। भारत से बाहर

भारतीय मूल के लोगों द्वारा स्थापित यूनिकॉर्न की संख्या करीब 40 है जबकि चीनी मूल के लोगों ने अपने देश से बाहर मात्र 16 ऐसे कारोबार स्थापित किए हैं। भारतीय समुदाय द्वारा विदेशों में स्थापित यूनिकॉर्न का कुल मूल्यांकन 99.6 अरब डॉलर है। इसमें सबसे अधिक मूल्यांकन वित्त प्रौद्योगिकी कंपनी रॉबिनहुड का करीब 8.5 अरब डॉलर है। हुरुन रिपोर्ट के चेयरमैन और मुख्य अनुसंधानकर्ता रुपर्ट हूगवर्फ ने कहा कि भारतीयों द्वारा स्थापित 61 यूनिकॉर्न में से करीब दो-तिहाई विदेशों में मुख्य तौर पर अमेरिका के सिलिकॉन वैली में हैं। मात्र 21 यूनिकॉर्न ही देश में काम कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया के 29 देशों के 145 शहरों में 586 यूनिकॉर्न कंपनियां काम करती हैं। भारत में काम कर रही 21 यूनिकॉर्न कंपनियों में से अधिकतर ई-वाणिज्य क्षेत्र की हैं और बेंगलुरु भारत की यूनिकॉर्न राजधानी कही जा सकती है क्योंकि इनमें से आठ कंपनियां बेंगलुरु में स्थित हैं। देश की सबसे नयी यूनिकॉर्न कंपनियों में ओला इलेक्ट्रिक, उड़ान और स्विगी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में किसी स्टार्टअप को यूनिकॉर्न के स्तर पर पहुंचने में करीब सात साल का वक्त लगता है, जबकि चीन में यह वक्त साढ़े पांच साल और अमेरिका में साढ़े छह साल है।

एयरटेल ने लद्दाख के ग्रामीण अंचलों तक किया अपने 4जी नेटवर्क का विस्तार

लेह। भारती एयरटेल ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लेह और कारगिल जिलों में करीब दर्जनभर गांवों तक अपनी 4जी सेवा का विस्तार किया है। कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा इन इलाकों के लोगों ने मंगलवार को पहली बार 4जी कनेक्टिविटी का अनुभव किया। प्रवक्ता ने कहा कि लद्दाख में 4जी सेवाएं शुरू करने वाली एयरटेल पहली दूरसंचार कंपनी है। लद्दाख क्षेत्र में कंपनी का सबसे बड़ा 4जी नेटवर्क है। उन्होंने कहा, ''4जी नेटवर्क से जुड़ने वाले इन गांवों में कारगिल के सांकू, लंकारचे, घुमरी, बारचे, संजाक, गरकोन और लेह के अचिनाथांग, लेहदो, तिया और स्कुरबुचन शामिल हैं। एयरटेल के ऊपरी उत्तर केन्द्र के सीईओ मनु सूद ने कहा, ''डिजिटल रूप से लद्दाख को जोड़ने और अंतिम छोर तक 4जी नेटवर्क पहुंचाने की हमारी प्रतिबद्धता में यह एक और मील का पत्थर है। हम सरकार के डिजिटल इंडिया दृष्टिकोण को लेकर प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि एयरटेल लद्दाख के ग्रामीण इलाकों में अपने 4जी नेटवर्क को तेजी से बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि एयरटेल लद्दाख के ग्रामीण इलाकों में अपने 4जी नेटवर्क को तेजी से बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि एयरटेल लद्दाख के ग्रामीण इलाकों में अपने 4जी नेटवर्क को तेजी से बढ़ा रहा है। वह इस उत्तरी क्षेत्र को डिजिटल सुपरहाइवे से जोड़ने को प्रयासरत है।

भारतीय अर्थव्यवस्था का बुरा दौर बीता, कृषि क्षेत्र ने पार लगाई नैया

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बुरा दौर अब संभवतः बीत चुका है। वित्त मंत्रालय की मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बेहतर मानसून की संभावना को देखते हुए कृषि क्षेत्र कोरोना वायरस से प्रभावित अर्थव्यवस्था को उबारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आर्थिक मामलों के विभाग की ओर से जारी जुलाई की वृहद आर्थिक रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल के संकट के बाद भारत अब पुनरोद्धार की राह पर है। इसमें सरकार और केंद्रीय बैंक की नीतियों से समर्थन मिला है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अनलॉक के चरण में है। इससे पता चलता है कि अर्थव्यवस्था का बुरा समय बीत गया है। हालांकि, कोविड-19 के बढ़ते मामलों और विभिन्न राज्यों में बारी-बारी से लग रहे लॉकडाउन से जोखिम कायम है। रिपोर्ट कहती है कि कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी तथा इसकी वजह से राज्यों द्वारा कुछ-कुछ दिनों लिए लगाए जा रहे लॉकडाउन से सुधार की संभावनाएं कमजोर पड़ रही हैं। ऐसे में इसकी निरंतर निगरानी करने की जरूरत है। हालांकि, रिपोर्ट में कृषि क्षेत्र को लेकर भरोसा जताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था को कोविड-19 के झटकों से उबरने में कृषि क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि कृषि क्षेत्र को कोविड-19 की वजह से लागू लॉकडाउन से जल्दी और सही समय पर छूट दी गई, जिससे रबी फसलों की कटाई समय पर हो सकी। साथ ही खरीफ फसलों की बुवाई भी की जा सकी। रिपोर्ट कहती है कि गेहूं की रिकॉर्ड खरीद से किसानों के हाथों में 75,000 करोड़ रुपये गए हैं, जिससे ग्रामीण इलाकों में निजी उपभोग बढ़ाने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि सितंबर, 2019 से व्यापार का रुख कृषि क्षेत्र की ओर हुआ है जिससे ग्रामीण मांग बढ़ाने में मदद मिली है। इससे मार्च से जून, 2020 से ग्रामीण क्षेत्रों की मुख्य मुद्रास्फीति बढ़ी है। रिपोर्ट में हालिया कृषि क्षेत्र के सुधारों का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि इससे कृषि क्षेत्र नियंत्रण मुक्त हुआ है। साथ ही इनसे किसान सशक्त हुए हैं और वे भारत के विकास की कहानी का एक बड़ा और अधिक स्थिर भागीदार बन सके हैं। अर्थव्यवस्था में सुधार के कुछ संकेतों का उल्लेख करते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) की गतिविधियां तथा आठ बुनियादी उद्योगों के उत्पादन में गिरावट अप्रैल की तुलना में मई में कम हुई है।

सनसोर्स एनर्जी ने भीलवाड़ा में छह मेगावॉट की रूफटॉप परियोजना का शुभारंभ किया

नई दिल्ली। सनसोर्स एनर्जी ने मंगलवार को राजस्थान के भीलवाड़ा में स्थित अपनी छह मेगावॉट की रूफटॉप सौर ऊर्जा परियोजना का शुभारंभ किया। कंपनी ने एक बयान में कहा, यह परियोजना अग्रणी कपड़ा कंपनियों के राजस्थान के बाहर स्थित औद्योगिक स्थलों में से एक को 25 वर्ष की अवधि के लिए स्वच्छ ऊर्जा प्रदान करेगी। बयान में कहा गया है कि यह परियोजना 21,00,000 वर्ग फुट में फैले औद्योगिक स्थल की पांच छतों पर विकसित की गई है। सनसोर्स एनर्जी, नीव फंड की एक निवेश कंपनी है - जो भारत के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और ब्रिटेन के अंतरराष्ट्रीय विकास विभाग (डीएफआईडी) द्वारा समर्थित है। यह परियोजना भारत के कम आय वाले राज्यों में टिकाऊ विकास प्रदान करने की, नीव फंड की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। यह परियोजना अपने जीवनकाल में 2,00,000 टन से अधिक कार्बन उत्सर्जन में कमी लाएगी। सनसोर्स एनर्जी एक प्रमुख वितरित सौर ऊर्जा कंपनी है, जो दुनिया भर में अपने वाणिज्यिक और औद्योगिक ग्राहकों के लिए सौर ऊर्जा परियोजनाओं का विकास, स्वामित्व और संचालन करती है।

भारत में 21 यूनिकार्न स्टार्टअप, कुल मूल्यांकन 73 अरब डालर, चीन के दसवें हिस्से के बराबरः अध्ययन

मुंबई। भारत में यूनिकॉर्न स्तर के स्टार्टअप की संख्या करीब 21 है। एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य वाले इन स्टार्टअप की संख्या पड़ोसी देश चीन के मुकाबले दसवें हिस्से के बराबर है। भारतीय निवेशकों की 40 से अधिक ऐसी कंपनियां विदेशों में स्थापित हैं। हुरुन की वैश्विक यूनिकॉर्न सूची में 21 भारतीय यूनिकॉर्न कंपनियों का कुल मूल्यांकन 73.2 अरब डॉलर है। अमेरिका, चीन और ब्रिटेन के बाद भारत इस सूची में चौथे स्थान पर है। यूनिकॉर्न ऐसी स्टार्टअप कंपनियों को कहा जाता है जिनका मूल्यांकन एक अरब डॉलर या उससे अधिक होता है। हुरुन की रपट के अनुसार चीन में यूनिकॉर्न की संख्या 227 है। ऐसे में भारत में यूनिकॉर्न स्टार्टअप की संख्या उसके दसवें हिस्से के बराबर है। इतना ही नहीं भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों से आने वाले निवेश को विभिन्न नियमों के दायरे में लाये जाने की खबरों के बीच यह बात उल्लेखनीय है कि घरेलू 21 यूनिकॉर्न में से 11 में चीन के तीन निवेशकों का बड़ा हिस्सा है। भारत से बाहर भारतीय मूल के लोगों द्वारा स्थापित यूनिकॉर्न की संख्या करीब 40 है जबकि चीनी मूल के लोगों ने अपने देश से बाहर मात्र 16 ऐसे कारोबार स्थापित किए हैं। भारतीय समुदाय द्वारा विदेशों में स्थापित यूनिकॉर्न का कुल मूल्यांकन 99.6 अरब डॉलर है। इसमें सबसे अधिक मूल्यांकन वित्त प्रौद्योगिकी कंपनी रॉबिनहुड का करीब 8.5 अरब डॉलर है। हुरुन रपट के चेयरमैन और मुख्य अनुसंधानकर्ता रुपर्ट हूगवर्फ ने कहा कि भारतीयों द्वारा स्थापित 61 यूनिकॉर्न में से करीब दो-तिहाई विदेशों में मुख्य तौर पर अमेरिका के सिलिकॉन वैली में हैं। मात्र 21 यूनिकॉर्न ही देश में काम कर रहे हैं। रपट में कहा गया है कि दुनिया के 29 देशों के 145 शहरों में 586 यूनिकॉर्न कंपनियां काम करती हैं। भारत में काम कर रही 21 यूनिकॉर्न कंपनियों में से अधिकतर ई-वाणिज्य क्षेत्र की हैं और बेंगलुरु भारत की यूनिकॉर्न राजधानी कही जा सकती है क्योंकि इनमें से आठ कंपनियां बेंगलुरु में स्थित हैं। देश की सबसे नयी यूनिकॉर्न कंपनियों में ओला इलेक्ट्रिक, उड़ान और स्विगी हैं। रपट के मुताबिक भारत में किसी स्टार्टअप को यूनिकॉर्न के स्तर पर पहुंचने में करीब सात साल का वक्त लगता है।

कोरोना का डंक! Vodafone-Idea कंपनी करने वाली है 1500 कर्मचारियों की छंटनी

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की मार कई बड़ी कंपनियों पर पड़ी है। महामारी के इस दौर में कंपनियों को सैलरी देने तक पैसे नहीं हैं। वहीं टेलिकॉम सेक्टर की कंपनी वोडाफोन आइडिया के लिए संकट के बादल छाए हुए हैं। दरअसल नोकिया, एरिक्शन, हुवेई और जेडटीई जैसी कंपनियों ने वोडाफोन-आइडिया से 4G उपकरण के आर्डर लेना बंद कर दिया है। टेलीकॉम इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनियों को लगता है कि वोडाफोन-आइडिया नकदी के संकट से जूझ रही है और ऐसे में उनसे पैसे मिलने में दिक्कत आ सकती है। इसी वजह से वोडाफोन आइडिया का एक्सपेंशन प्लान प्रभावित हो रहा है। वहीं, सर्विस की कमी के कारण वोडाफोन-आइडिया कंपनी को लगातार अपने ग्राहकों से हाथ धोना पड़ रहा है। बीते दिनों में हजारों ग्राहकों ने वोडाफोन-आइडिया की सर्विस लेना बंद कर दिया है। आर्थिक संकट से जूझ रही कंपनी ने 22 सर्किल के कामकाज को 10 सर्किल में ही समेट दिया है। अब ऐसे में अंदाजा लगाया जा रहा है कंपनी से लगभग 1500 लोगों की छंटनी की जा सकती है। इस मामले से जुड़े एक अधिकारी ने श्रन्न को बताया कि पिछले 6 महीने से वोडाफोन आइडिया अपने कारोबार को रिस्ट्रक्चर करने में जुटी है। टेलीकॉम उपकरण बनाने वाले यूरोप के वेंडर ने नए आर्डर के पहले सिक्योरिटी के रूप में कुछ रकम लेने की मांग की है। चीनी वेंडर का पेमेंट प्लान थोड़ा फ्लेक्सिबल था, लेकिन अब उन्होंने भी नए आर्डर लेने बंद कर दिए हैं। नोकिया और एरिक्शन जैसी यूरोपीय कंपनियों ने वोडाफोन आइडिया से लिए पुराने ऑर्डर के अगेंस्ट बैंक के क्रेडिट लेटर अपने पास रख हुए हैं। अब नए आर्डर के लिए कंपनियां दोबारा इसी सिक्योरिटी की मांग कर रही हैं। बता दें कि अभी हाल में ही वोडाफोन आइडिया ने सुप्रीम कोर्ट को यह बताया था कि कोई भी बैंक गारंटी देने के लिए तैयार नहीं है क्योंकि मार्च के अंत तक उनका कर्ज 1,12,520 करोड़ रुपये पर पहुंच गया था। क्योंकि मार्च के अंत तक उनका कर्ज 1,12,520 करोड़ रुपये पर पहुंच गया था। वोडाफोन आइडिया को अभी सरकार को एडजेस्टेड ग्रॉस रिवेन्यू के रूप में 50,000 करोड़ से अधिक की रकम चुकानी है।

पांच साल में तीसरा सबसे बड़ा खुदरा वाहन ब्रांड बना मारुति का नेक्सा

मुंबई। देश की सबसे बड़ी वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजकी का प्रीमियम खुदरा ब्रांड नेक्सा अपनी शुरुआत के महज पांच साल में ही देश का तीसरा सबसे बड़ा खुदरा वाहन ब्रांड बन गया है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह दावा किया है। मारुति सुजुकी ने जुलाई 2015 में नेक्सा की शुरुआत की थी। अभी नेक्सा की कार बाजार में 11 प्रतिशत से कुछ अधिक हिस्सेदारी है तथा मारुति की सालाना बिक्री में यह 20 प्रतिशत से अधिक योगदान देता है। नेक्सा के तहत मारुति के पांच प्रीमियम मॉडल की बिक्री होती है। मारुति सुजुकी के कार्यकारी निदेशक (बिक्री एवं विपणन) शशांक श्रीवास्तव ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''नेक्सा किसी कार निर्माता कंपनी की महज बिक्री से आगे बढ़कर खुदरा अनुभव का नया स्वरूप तैयार करने का पहला प्रयास है। नेक्सा ने इस जुलाई में अपने पांच साल पूरे किये हैं और इसने अनोखे उपभोक्ता अनुभव का साथ अब तक 11 लाख से अधिक ग्राहकों को सेवाएं दी है।'' नेक्सा के तहत सबसे पहले एस-क्रॉस की बिक्री शुरू की गयी थी। बाद में अक्टूबर 2016 में नेक्सा के साथ बलेनो को जोड़ा गया। इसके बाद जनवरी 2017 में हैचबैक इग्निस, अप्रैल 2017 में सेडान सियाज और अगस्त 2019 में बहुद्देशीय वाहन (एमपीवी) एक्सएल6 को नेक्सा के मंच पर उतारा गया। अभी देश भर के 200 शहरों में 370 नेक्सा शोरूम हैं। हालांकि, कोरोना वायरस महामारी का वाहन उद्योग पर पड़े असर को लेकर श्रीवास्तव फिलहाल इसके विस्तार को लेकर सतर्क हैं। उन्होंने कहा, ''आज, नेक्सा तीसरा सबसे बड़ा खुदरा वाहन चैनल है, जिसकी बाजार हिस्सेदारी 10-11 प्रतिशत है। वर्तमान में, नेक्सा हमारी कुल बिक्री का 20 प्रतिशत योगदान देता है। नेक्सा के साथ, हम आधुनिक शहरी उपभोक्ताओं को आकर्षित करने में सक्षम हैं।'' उन्होंने कहा कि नेक्सा ने सितंबर 2019 में महज चार साल दो महीने में 10 लाख ग्राहकों को अपने साथ जोड़ा। इसके बाद जुलाई और उपभोक्ताओं को अपने साथ जोड़ा ग्राहकों की कुल संख्या को 11 लाख कर लिया।

अडाणी ग्रुप, सुरक्षा, सनटेक रीयल्टी ने एचडीआईएल के अधिग्रहण के लिए रुचि पत्र जमा कराया

नई दिल्ली। अडाणी प्रॉपर्टीज, सुरक्षा एसेट रिकंस्ट्रक्शन और सनटेक रीयल्टी सहित छह कंपनियों ने दिवाला समाधान प्रक्रिया के तहत कर्ज के बोझ से दबी हाउसिंग डेवलपमेंट एंड इन्फ्रस्ट्रक्चर लि. (एचडीआईएल) के अधिग्रहण में रुचि दिखाई है। शेयर बाजारों को यह जानकारी दी गई है। अडाणी प्रॉपर्टीज और सुरक्षा ग्रुप ने जेपी इंफ्राटेक की दिवाला समाधान प्रक्रिया में भी हिस्सा लिया था। हालांकि, बाद में जेपी का अधिग्रहण सार्वजनिक क्षेत्र की एनबीसीसी ने किया था। एचडीआईएल दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी), 2016 के प्रावधानों के तहत कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) में है। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में एचडीआईएल ने समाधान प्रक्रिया में भाग लेने वाली संभावित कंपनियों की शुरुआती सूची साझा की है। एचडीआईएल के अधिग्रहण के लिए सबसे पहले रुचि पत्र (ईओआई) फरवरी में प्रकाशित किया गया था। उसके बाद से इसमें कई बार संशोधन किया गया है। सूचना में कहा गया है कि ईओआई जमा कराने की अंतिम तारीख 31 जुलाई, 2020 थी। समाधान पेशेवर को इच्छुक पक्षों से छह ईओआई मिले हैं। इसमें पहले इंटरनेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी, एन एस सॉफ्टवेयर तथा हर्ष वर्धन रेड्डी ने भी ईओआई जमा कराया था, लेकिन उन्हें पात्र नहीं पाया गया। इंटरनेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी ने आईबीसी की धारा 29 ए के तहत आवश्यक फॉर्मेट में शपथपत्र नहीं दिया था। यदि कंपनी इसे आठ अगस्त तक जमा करा देती है तो वह फिर पात्र हो जाएगी। वहीं एन एस सॉफ्टवेयर और हर्ष वर्धन रेड्डी न्यूनतम 500 करोड़ रुपए के नेटवर्थ या प्रबंधन के तहत 2,000 करोड़ रुपए की परिसंपत्तियां या 250 करोड़ रुपए के प्रतिबद्ध कोष के मानदंड को पूरा नहीं कर पाई। सूचना में कहा गया है कि शुरुआती सूची जारी करने की तारीख आठ अगस्त के बाद पांच दिन तक किसी संभावित समाधान आवेदक को शामिल करने या बाहर करने के लिए दस्तावेजों के साथ दावा किया जा सकता। इसमें कहा गया है कि समाधान पेशेवर को प्राप्त आपत्तियों पर गौर करने के बाद संभावित समाधान आवेदकों (पीआरए) की अंतिम सूची प्रकाशित की जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अंडर-17 विश्व कप की मेजबानी से भारत में महिलाओं के खेल में आ सकता है बदलाव- फीफा अधिकारी

नयी दिल्ली। वैश्विक फुटबॉल का संचालन करने वाली संस्था फीफा की महिला प्रतियोगिताओं की प्रमुख सारा बूथ ने कहा कि भारत में 2021 में अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी से देश में लड़कियों के बीच इस खेल की छवि पर सकारात्मक असर पड़ेगा। दिल्ली में फुटबॉल का संचालन करने वाली 'दिल्ली फुटबॉल' द्वारा सोमवार को आयोजित ऑनलाइन शिखर सम्मेलन में बूथ ने कहा कि दिल्ली विश्व कप की मेजबानी के 'सकारात्मक प्रभाव' को महसूस करेगी। उन्होंने महिलाओं के खेल के विकास के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए राष्ट्रीय महासंघ के साथ राज्य संघ के सहयोगात्मक प्रयास की सराहना की। भारत ने 2017 में पुरूष अंडर-17 विश्व कप की मेजबानी की थी । इस मौके पर भारतीय खिलाड़ी दलिमा छिब्बर ने कहा कि केवल 'बेहतर संस्कृति' से महिला फुटबॉल का उत्थान हो सकता है। उन्होंने कहा कि चीजें पहले की तुलना में बहुत बेहतर दिख रही हैं। दलिमा ने कहा, '' हमें क्लब और स्कूल - कॉलेज स्तर पर बालिका फुटबॉल की संस्कृति को विकसित करने की जरूरत है। फुटबॉल में लड़कियों की भागीदारी पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली में काफी बढ़ी है। नयी प्रतियोगिताओं के साथ अधिक लड़कियां फुटबॉल खेलने के लिए प्रोत्साहित होगी। जब मैंने फुटबॉल खेलना शुरू किया था तब दिल्ली में ऐसी स्थिति नहीं थी।''

क्रिकेट

पहला टेस्ट मैच आज से, पाकिस्तान के खिलाफ विजयी अभियान जारी रखना चाहेगी इंग्लैंड

मैनचेस्टर।

कोरोनावायरस महामारी के बीच इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के साथ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेली थी और 2-1 से जीतने में भी सफल रही थी। अब उसके सामने पाकिस्तान की चुनौती है और मेजबान टीम चाहेगी कि वह अपना विजयी क्रम जारी रखे और आईसीसी टेस्ट चैम्पियनशिप में अपनी स्थिति मजबूत करे। इसी इरादे से वह बुधवार से यहां ओल्ड ट्रेफर्ड मैदान पर शुरू हो रहे पहले टेस्ट मैच में उतरेगी। विंडीज को मात देने के बाद इंग्लैंड चैम्पियनशिप में अंकतालिका में तीसरे नंबर पर आ गई है। अगर वह पाकिस्तान को इस तीन मैचों सीरीज में हरा देती है तो अंकतालिका में वह आस्ट्रेलिया को हटाकर दूसरे स्थान पर आ जाएगी। इंग्लैंड ने इस सीरीज के लिए भी वही टीम चुनी है जो वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली थी। विंडीज के खिलाफ सीरीज में स्टुअर्ट ब्रॉड और जेम्स एंडरसन को एक साथ अंतिम-11 में शामिल न करने पर सवाल उठे थे। यह दोनों सिर्फ तीसरे मैच में ही एक साथ उतरे थे जबकि पहले मैच में ब्रॉड बाहर थे तो दूसरे मैच में एंडरसन। कई पूर्व खिलाड़ियों का मानना है कि इन दोनों को एक साथ खेलना चाहिए। इंग्लैंड में यही दोनों गेंदबाज ऐसे हैं जिन्होंने टेस्ट में 500 विकेट लिए हैं। प्रदर्शन रहा है उसे देखते हुए इंग्लैंड इन्हें हल्के में नहीं ले सकती। वहाब रियाज और मोहम्मद अब्बास के रूप में उनके पास अनुभव भी है। पाकिस्तान इस मैच में दो स्पिनरों के साथ उतर सकता है। इस बात की संभावना कोच मिस्बाह उल हक जता चुके हैं। उन्होंने कहा था कि इस पर अंतिम फैसला मैच से पहले पिच और मौसम को देखकर लिया जाएगा। यासिर शाह का खेलना तय है और अगर टीम दो स्पिनर खेलने के बारे में सोचते हैं तो देखना होगा कि किसे मौका मिलता है। कोच ने साथ ही कहा था कि उनके खिलाड़ी स्थिति से तालमेल बिठा चुके हैं, क्योंकि वह एक महीने पहले से यहां आ गए थे। हालांकि अभ्यास मैचों की कमी पाकिस्तान को अखर सकती है। उसकी बल्लेबाजी का दारोमदार बाबर आजम के जिम्मे होगा, जबकि टेस्ट टीम के कप्तान अजहर अली, इमाम उल हक पर भी बड़ी जिम्मेदारी होगी इंग्लैंड = जोए रूट (कप्तान), जेम्स एंडरसन, जोफा आर्चर, डोमिनिक बेस, स्टुअर्ट ब्रॉड, रोरी बर्न्स, जोस बटलर, जैक क्रॉले, सैम कुरैन, ओली पोप, डॉम सिब्ले, बेन स्टोक्स, क्रिस वोक्स, मार्क वुड, जेम्स ब्राके, बेन फोक्स, जैक लीच, डेन लॉरेंस। पाकिस्तान = अजहर अली (कप्तान), बाबर आजम, आबिद अली, असद शफीक, फहीम अशरफ, फवाद आलम, इमाम उल हक, इमरान खान, कासिफ भट्टी, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद रिजवान, नसीम शाह, सरफराज अहमद, शादाब खान, शाहीन शाह खान, उस्मान शिनवारी, वहाब रियाज, यासिर शाह।

आईपीएल 2020 को लेकर बोले श्रेयस अय्यर, कहा- लंबे समय बाद अच्छी खबर सुनी है

स्पोर्ट्स डेस्क ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें संस्करण को लेकर दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि कोविड-19 महामारी के इस चुनौतीपूर्ण समय के बीच उन्होंने लंबे समय बाद अच्छी खबर सुनी है। आईपीएल 2020 मार्च में होना था लेकिन कोरोना महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया और अब ये टूर्नामेंट 19 सितम्बर से 10 नवम्बर तक यूएई में खेला जाएगा। अय्यर ने इस बारे में बात करते हुए कहा, हमारी दुनिया जिस चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही है, उसमें कोई शक नहीं है कि आईपीएल होने की खबर सबसे अच्छी चीजों में से एक हैं। एक लंबे समय ये सब सुना है। उन्होंने कहा, हम निश्चित रूप से स्टेडियम में अपने दिल्ली के प्रशंसकों को याद करेंगे, वे पिछले साल हमारी सफलता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थे। मैं अपने साथियों के साथ जल्द ही इकट्ठा होने का इंतजार कर रहा हूं, विशेषकर जो दिल्ली कैपिटल्स में नए हैं। उन्होंने कहा कि आगामी सीजन को वास्तव में यादगार बनाने के लिए हमारी पूरी कोशिश है। नए सीजन की शुरुआत पर बोलते हुए, टीम के सह-मालिक और अध्यक्ष पार्थ जिंदल ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि आईपीएल की खबर हम सभी के लिए ताजी हवा में सांस लेने के रूप में आई हैं। प्रसन्नता व्यक्त करने वाले लोगों की संख्या उल्लेखनीय है और हम सभी इस सीजन में दिल्ली में ट्रॉफी लाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि आईपीएल वास्तव में हमारे देश के मनोबल को ऊपर उठाने की शक्ति रखता है क्योंकि हम कोविड महामारी से लड़ रहे हैं और मुझे खुशी है कि 2020 का आयोजन किया जा रहा है। दिल्ली कैपिटल के सीईओ धीरज मल्होत्रा ने कहा कि उनका मानना है कि टूर्नामेंट का आगामी संस्करण महत्वपूर्ण होगा।

भारत . चीन राजनयिक तनाव के बीच 2020 आईपीएल 'टाइटल प्रायोजन' से पीछे हट सकता है वीवो

नयी दिल्ली। भारत और चीन के बीच बढते राजनयिक तनाव के बीच चीनी मोबाइल फोन कंपनी वीवो इस साल इंडियन प्रीमियर लीग के 'टाइटल प्रायोजन' से पीछे हट सकती है और आपसी सहमति से अलग होने के लिये भारतीय क्रिकेट बोर्ड से बातचीत चल रही है । इस एक साल को स्थगन अवधि के रूप में देखा जा सकता है और संबंध बेहतर होने पर बीसीसीआई 2021 से 2023 के बीच कंपनी के साथ तीन साल का नया अनुबंध कर सकता है । आईपीएल इस साल 19 सितंबर से 10 नवंबर के बीच यूएई में होगा । बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई को बताया ,'' बीसीसीआई के पदाधिकारियों (अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह) और कंपनी के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत चल रही है । ऐसी पूरी संभावना है कि इस साल टाइटल प्रायोजक वीवो नहीं होगा ।'' पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों की सेनाओं के बीच हिंसक झड़प के बाद बीसीसीआई ने कहा था कि वह करार की समीक्षा करेगा । उस झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे जिसके बाद चीन की कंपनियों और उत्पादों के बहिष्कार की मांग की जा रही है । आईपीएल की संचालन परिषद ने रविवार को कहा था कि वीवो समेत उसके सभी प्रायोजक बरकरार रहेंगे । वीवो 2022 तक पांच साल के करार के लिये 440 करोड़ रूपये सालाना देता है । बोर्ड के अधिकारी ने बताया कि फैसला जब भी होगा, आपसी सहमति से होगा और बोर्ड बैंक गारंटी को भुनाने पर विचार नहीं कर रहा है । अधिकारी ने कहा ,''अलग अलग हालात में अगर प्रायोजक वादा पूरा नहीं कर पाता है तो बोर्ड बैंक गारंटी भुनाता है जो पहले भी किया गया है ।

आईपीएल से बाहर होने पर बोले मिशेल स्टार्क, कहा- मुझे इस बात का कोई दुख नहीं

स्पोर्ट्स डेस्क ।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने कहा कि उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2020 से बाहर होने का अफसोस नहीं है। इस तेज गेंदबाज ने नीलामी से पहले तय किया था कि वह आईपीएल 2020 में भाग नहीं लेगा। लेकिन अब, टूर्नामेंट सितंबर-नवंबर में खेला जा रहा है, तेज गेंदबाज ने कहा कि वह अपना फैसला नहीं बदलेंगे। आईपीएल मार्च से मई के बीच होना था लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया और अब ये टूर्नामेंट 19 सितम्बर से 10 नवम्बर तक यूएई में खेला जाएगा। मुझे पता है कि हेंडसाइट एक अद्भुत चीज है और अब आईपीएल एक अलग समय पर है, लेकिन मैं इसे नहीं बदलूंगा। मैं उस समय को बिताने के लिए खुश हूं जब सितंबर में आईपीएल में ब्लॉक्स हो रहे हैं, मैं गर्मियों के लिए तैयार हो जाऊंगा। अगले साल का आईपीएल आस-पास ही है और अगर लोग मुझे चाहते हैं तो मैं इस पर विचार करूंगा, लेकिन इस वर्ष मैंने जो निर्णय लिए हैं, मैं उसे बहुत खुश हूं। भारत में कोरोना वायरस महामारी की स्थिति पर ध्यान देते हुए, आईपीएल जीसी ने संयुक्त अरब अमीरात (श्र) में टूर्नामेंट का मंचन करने का निर्णय लिया और मैच दुबई, मंजूरी के अधीन हैं। इस बार आईपीएल के समय में भी बदलाव किया गया है और अब शाम के मैच 8 बजे की

जगह 7.30 बजे शुरू होंगे। खेले जाएंगे, जो भारत सरकार से आवश्यक मंजूरी के अधीन हैं। इस बार आईपीएल के समय में भी बदलाव किया गया है और अब शाम के मैच 8 बजे की जगह 7.30 बजे शुरू होंगे। इसी के साथ ही बीसीसीआई ने विमेंस टी20 चैलेंज (महिला आईपीएल) करवाने की भी घोषणा की जो 1 से 10 नवम्बर तक हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

पनेसर ने कहा, बिलिंग्स को नियमित तौर पर वनडे टीम में होना चाहिए

नई दिल्ली। बाएं हाथ के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने इंग्लैंड की एकदिवसीय टीम में सैम बिलिंग्स को नियमित तौर पर जगह नहीं मिलने पर हैरानी जताते कहा कि आयरलैंड के खिलाफ प्रदर्शन को देखते हुए उनको शीर्ष छह में स्वतः जगह मिलनी चाहिए। इंग्लैंड के लिए 50 टेस्ट और 26 एकदिवसीय खेलने वाले 38 साल के पनेसर ने कार्यक्रम में कहा, 'बिलिंग्स जब भी एकदिवसीय टीम में रहते हुए क्रीज पर होते हैं तो वह काफी सहज दिखते है। मुझे आश्चर्य होता है कि वह नियमित तौर पर एकदिवसीय टीम में क्यों नहीं रहते हैं। टेस्ट में 167 विकेट लेने वाले पनेसर का मानना है कि एकदिवसीय श्रृंखला को अपने नाम करने के बाद तीसरे मैच में उपकप्तान मोइन अली को इंग्लैंड का नेतृत्व करना चाहिए। पनेसर ने आगे कहा, 'मैं मोइन अली को तीसरे वनडे में कप्तानी करते देखना चाहूंगा। मुझे लगता है कि वह स्वाभाविक रूप से उप-कप्तान से ज्यादा कप्तान है। इयोन मोर्गन को आराम दिया जा सकता है या कप्तानी में बदलाव की कोशिश करके देख सकते हैं कि वह किस तरह से नेतृत्व करते हैं। इस 38 साल के खिलाड़ी ने कहा कि तीसरे एकदिवसीय में टीम को अधिक युवाओं को मौका देकर बेंच स्ट्रेंथ का आकलन करना चाहिए। इंग्लैंड के लिए 2015 में पदार्पण करने वाले 29 साल के बिलिंग्स ने अब तब महज 16 एक दिवसीय और 26 टी20 खेले हैं।

चीनी कंपनी विवो ले सकती है बड़ा फैसला, बॉयकाट आईपीएल के कारण तोड़ सकती है करार

स्पोर्ट्स डेस्क ।

बीते रविवार को हुई आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की बैठक में चीनी मोबाइल कंपनी वीवो को टाइटल स्पॉन्सर के तौर पर रिटेन किया गया था। इस खबर के सामने आते ही लोगों ने बॉयकाट आईपीएल की मांग उठानी शुरू कर दी जिसके बाद अब वीवो ने आईपीएल 2020 से हटने का फैसला किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वीवो इस बार टाइटल स्पॉन्सर नहीं होगा। फिलहाल इसकी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। भारत और चीन के बीच लद्दाख में भिड़ंत के बाद चीनी सामानों का बहिष्कार करने की मांग तेज हुई है। रिपोर्ट्स की मानें तो वीवो इस साल आईपीएल की टाइटल स्पांसर नहीं होगी लेकिन साल 2021 में स्पॉन्सर रहेगी। वीवो का बीसीसीआई से पांच साल के लिए करार हुआ था जो पहले 2022 में खत्म होना था लेकिन इस साल आईपीएल से पीछे हटने के बाद अब ये डील 2023 तक चलेगी। यहां गौर करने वाली बात ये है कि टाइटल स्पॉन्सर के तौर पर वीवो प्रत्येक वर्ष 440 करोड़ अदा करता है। फिलहाल वीवो के पीछे हटने की खबरों के बाद नए स्पॉन्सर को लेकर भी जल्द ही घोषणा की जाएगी। आईपीएल 2020 19 सितंबर से यूनाइटेड अरब अमीरात में शुरू होगा और फाइनल मैच 10 नवंबर को खेला जाएगा। पहले यह लीग मार्च में भारत में ही खेली जानी थी पहले यह लीग मार्च में भारत में ही खेली जानी थी लेकिन कोरोना वायरस महामारी के बढ़ते प्रकोप के बाद इसे स्थगित कर दिया गया था।

गंभीर से अपने कड़वे रिश्ते पर फिर खुलकर कुछ ऐसा बोले अफरीदी, कहा- मैदान के बार सबको दोस्त...

स्पोर्ट्स डेस्क। अपनी टीम को कई मैच जीता चुके पाकिस्तान टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी एक बार फिर से क्रिकेट के गलियारें में सुर्खियों में चल रहे है। जहां उन्होंने टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर के साथ अपने रिश्तों पर एक बार बातचीत की है। बता दें, 2007 में नागपुर वनडे में दोनों खिलाड़ी मैदान में आमने-सामने आ गए थे। तब से अब तक दोनों के बीच रिश्ते काफी खराब चल रहे है। दरअसल, इस पर अफरीदी ने कहा, हर व्यक्ति को हमेशा सच बोलना चाहिए, चाहे जो भी हो जाए। मुझे लगता है कि इंसानियत हर चीज से ऊपर है, यही वजह है कि मैं अपनी बात रखने से कभी हिचकिचाता नहीं हूं, भले वो भारत के बारे में हो। अफरीदी ने आगे कहा, इस तरह की चीजें क्रिकेट में होती रहती हैं, इसका असर आपकी रोजाना जिंदगी पर नहीं पड़ना चाहिए। हम सभी को मैदान के बाहर अच्छा दोस्त होना चाहिए। आपको बता दें कि कुछ दिन पहले अफरीदी जैनब अब्बास के साथ एक इंटरव्यू में बातचीत में गंभीर को लेकर कहा था कि एक क्रिकेटर के तौर पर, एक बल्लेबाज के तौर पर मैं उन्हें हमेशा पसंद करता हूं, लेकिन बतौर इंसान उनके साथ कुछ समस्याए हैं। वह कई बार कुछ ऐसी बाते करहते हैं या ऐसा व्यवहार करते हैं, जिससे महसूस होता है कि रहने दीजिए, उनके साथ कुछ समस्या हैं। उनके फिजियो पहले ही इस बारे में बता चुके हैं। गौर हो कि गंभीर ने टीम इंडिया के लिए 58 टेस्ट में 9 शतकों और 22 अर्धशतकों की मदद से 4154 रन, 147 वनडे में 11 शतकों और 34 अर्धशतकों की मदद से 5238 रन और 37 टी20 इंटरनेशल में 7 अर्धशतकों की मदद से 932 रन बनाए हैं। अफरीदी के क्रिकेट पर नजर जाले तो 27 टेस्ट मैच खेले जिसमें उन्होंने 36.51 की औसत से 1716 रन बनाए। वहीं उन्होंने 398 वनडे मैच में 23.58 की औसत से 8064 रन बनाए।

जब लॉर्ड्स के पवेलियन में बैठकर उल्लू जैसे हरकतें करने लगे जेम्स एंडरसन

स्पोर्ट्स डेस्क । इंगलैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन के बारे में मशहूर है कि वह एकाग्र रहने के लिए तरह-तरह के तरीके इस्तेमाल करते रहते हैं। 2011 में लॉर्ड्स के मैदान पर जब टेस्ट मैच था तब एंडरसन ने ब्रॉड के साथ मिलकर ओवलिंग प्रक्रिया की थी। दरअसल, ओवलिंग एक थ्योरी है जिसके तहत इंसान ऊल्लू की तरह बैठता और रिएक्ट करता है। माना जाता है कि इससे तनाव को दूर करने में मदद मिलती है। एंडरसन ने इसके लिए लॉर्ड्स में पवेलियन की बालकनी को चुना था जबकि ब्रॉड अपने एक अन्य साथी के साथ अज्ञात स्थान पर चले गए थे। 38 साल के हो चुके एंडरसन इसके अलावा अपने व्यवहार के कारण भी जाने जाते हैं। कहते हैं- 2013 में जो रूट ने एंडरसन को एक टी-शर्ट गिफ्ट की थी जिसपर ग्रूंपी शब्द लिखा हुआ था। (ग्रूंपी उस बिल्ली का नाम है जो अपने गुस्से के कारण बहुत मशहूर थी) एंडरसन जब 12 साल के थे तब वह बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज बनना चाहते थे। लेकिन जल्द ही उन्हें अहसास हो गया कि वह फास्ट बॉलर बनेंगे। हालांकि एंडरसन अभी भी अपने इस फन को भूले नहीं हैं। वह दोनों हाथों से बॉलिंग कर लेते हैं। एंडरसन कहते हैं कि वह अभी भी फर्स्ट क्लास क्रिकेट में लेफ्ट स्पिन गेंदबाजी करने की ख्वाहिश पाले बैठे हैं। बता दें कि जेम्स एंडरसन इंगलैंड के सबसे महत्वपूर्ण गेंदबाजों में से एक हैं। उनके नाम पर टेस्ट क्रिकेट में 589 विकेट दर्ज हैं। वह 194 वनडे में 269 विकेट भी ले चुके हैं। टेस्ट और वनडे दोनों फॉर्मेट में वह इंगलैंड के टॉप विकेटटेकर हैं।

लिजेंड्स ऑफ चैस - मेगनस कार्लसन नें बनाई बढ़त

नॉर्वे ।

लिजेंड्स ऑफ चैस शतरंज टूर्नामेंट में नॉर्वे के विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन और रूस के इयान नेपोंनियची के बीच बेस्ट ऑफ थ्री फाइनल के पहले फाइनल मुक़ाबले मे कार्लसन नें 4-2 से जीत दर्ज की । अब अगर कार्लसन कल फिर जीते तो खिताब हासिल कर लेंगे । मतलब यह की नेपोंनियची को किसी भी कीमत में कल जीतना होगा अगर उन्हे खिताब की दौड़ में बने रहना है दोनों के बीच हुए पहले मुक़ाबले में मेगनस कार्लसन नें काले मोहरो से सिसिलियन नजडोर्फ का सहारा लिया और एक ऐसे वजीर के एंडगेम में जहां बाजी समझना आसान नहीं था और खेल ड्रॉ होना चाहिए थे कार्लसन नें मैच अपने नाम करते हुए 1-0 से बढ़त कर कर ली दोनों के बीच दूसरा मुक़ाबला ड्रॉ रहा तीसरे राउंड में जब लग रहा था की कार्लसन एक बार फिर तीन रैपिड में ही दिन अपने नाम कर सकते है नेपो नें मात्र 21 चालों में उन्हे मात देकर शानदार वापसी की और बताया की वह कार्लसन को आसानी से खिताब हासिल नहीं करने देंगे। दोनों के बीच कार्लसन नें चौंथा मुक़ाबला ड्रॉ खेलते हुए मैच को टाईब्रेक की ओर मोड़ दिया पर टाईब्रेक तो जैसे कार्लसन का ही था और उन्होने पहला ब्लिट्ज़ जीतकर पहले 3-2 से बढ़त बनाई और दबाव डालकर अगला ब्लिट्ज़ भी जीतकर पहला दिन 4-2 से अपने नाम किया ।

कुंबले ने कहा- इंग्लैंड के खिलाफ बनाया गया शतक बेहद खास था

स्पोर्ट्स डेस्क ।

पूर्व भारतीय कप्तान और कोच अनिल कुंबले ने कहा कि उनका एकमात्र टेस्ट शतक एक से अधिक तरीकों से खास था। टेस्ट में भारत के आल टाइम सर्वाधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ी कुंबले ने 2007 में ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच में शतक बनाया था। कुंबले ने अपने यूट्यूब चैट शो में भारत के ऑफ स्पिनर आर. अश्विन को बताया, निश्चित रूप से वह शतक बहुत खास था क्योंकि मैंने इसके लिए लगातार कोशिश और पहले गेम से कोशिश कर रहा था। मुझे 117वें मैच में कर दिखाया। यह शायद मेरे लिए भी अनुमान था। मैंने अनुमान लगाया कि गेंदबाज क्या करेगा और फिर 117 वें टेस्ट मैच में सभी अनुमान सही लगे। मुझसे ज्यादा, अगर आप बालकनी की तरफ देखते तो मेरे साथी भी बहुत खुश थे। महान ऑफ स्पिनर को याद करते हुए उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि लक्ष्मण सिर्फ मेरे शतक का जश्न मना रहे थे। मुझे याद है कि वह आखिरी इंसान था जो वहां खड़ा था। वह श्रीसंत था। मैंने 30 रन उसके साथ बनाए थे। मुझे ठीक से याद नहीं है, मुझे पता था कि उन्होंने तीसरी या चौथी नई गेंद ली है इसलिए मुझे पता था कि मुझे रन बनाने होंगे और श्रीसंत को स्ट्राइक नहीं करने देना है। कुंबले ने कहा, इसलिए मैं यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा था कि मैं के.पी. के बाद जाऊं और शायद मैं भी जल्दी निकल गया। मुझे पता था कि मैंने अंदर की बढ़त ले ली है और इससे पहले भी स्टीव बकनर ने सोचा था कि एक तरफा था। मैंने यह कहते हुए अपना हाथ उपर उठाया कि मैंने अपना शतक बनाया है।

कोरोना का असरः खांसने पर फुटबॉलर को दिखाया जा सकता है लाल कार्ड

ज्यूरिख । फुटबॉल खिलाड़ी अगर किसी अन्य खिलाड़ी या मैच अधिकारी करीब जाकर जानबूझकर खांसता है जो उसे लाल कार्ड दिखाया जा सकता है। फुटबॉल के नियम बनाने वाले अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल संघ बोर्ड (आईएफएबी) ने कोरोना वायरस महामारी के बाद अपने दिशानिर्देशों को अपडेट करते हुए यह जानकारी दी। रैफरी हालांकि तभी खिलाड़ी को लाल कार्ड दिखा सकता है जब वह सुनिश्चित हो कि जानबूझकर खांसा गया है। इस दौरान पीला कार्ड दिखाने का विकल्प भी रहेगा। इस नियम को 'आक्रामक, अपमानजनक या अभद्र भाषा और इशारे के इस्तेमाल के अंतर्गत जगह दी गई है। 'आक्रामक, अपमानजनक या अभद्र भाषा और इशारे के इस्तेमाल के अंतर्गत जगह दी गई है। आईएफएबी ने कहा, 'बाकी सभी अपराधों की तरह रैफरी को फैसला करना होगा कि अपराध की असल प्रकृति क्या है। उन्होंने कहा, 'अगर यह दुर्घटनावश है तो रैफरी कोई कार्रवाई नहीं करेगा और ना ही तब जब खिलाड़ियों से काफी अधिक दूरी पर खांसा जाएगा। बोर्ड ने कहा, 'हालांकि जब यह इतना करीब होगा कि अपराध लगे तो रैफरी कार्रवाई कर सकता है।

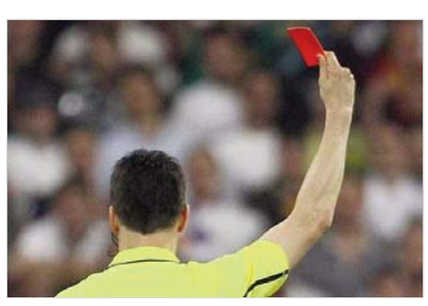

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

'हिंदुत्व' के 'रग- रग' में बसे 'श्रीराम'

(लेखक-प्रभुनाथ शुक्ल)

अयोध्या और राम एक दूसरे के पूरक हैं। राम से अयोध्या है और अयोध्या श्रीराम का जीवन संस्कार है। हिंदू धर्म की पौराणिक मान्यता के अनुसार अयोध्या सप्त पुरियों मथुरा, माया , काशी, कांची, अवंतिका और द्वारका में शामिल है। श्रीराम की नगरी अयोध्या को अथर्ववेद में भगवान की नगरी कहा गया है। अयोध्या के शाब्दिक विश्लेषण से पता चलता है कि अ से ब्रह्मा, य से विष्णु और ध से रुद्र यानी त्रिदेव का स्वरूप है अयोध्या। जहाँ ब्रह्मा, विष्णु और शंकरजी स्वयं विराजमान हैं। अयोध्या के कण- कण में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम बसे हैं। इसे हिंदू, बौद्ध, जैन और सिख धर्म का मौलिक स्वरूप माना जाता है। सरयू नदी के पावन तट पर बसी है अयोध्या। इसकी स्थापना महाराज मनु ने की थीं। इसे साकेत के नाम से भी जाना जाता है। सुप्रीमकोर्ट के फैसले के बाद अयोध्या में 05 अगस्त को भव्य राम मंदिर का निर्माण होने जा रहा है। जिसकी आधारशिला बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रखेंगे। हालांकि इस मुहूर्त को लेकर काफी विवाद भी उठा है। जिस पर संत समाज विभाजित हैं। अयोध्या को दुल्हन की तरह सजाया गया है। सरयू नगरी इंद्रधनुष के रंग में रंग उठी है। पूरी अयोध्या चित्र शैली में रंग उठी है। अयोध्या से जिस तरह की तस्वीरें आ रहीं हैं, उससे यहीं लग रहा है कि जैसे भगवान विश्वकर्मा स्वयं अयोध्या उतर आए हैं। धर्मिक मान्यता के अनुसार जब महाराज मनु ने ब्रम्हा से अपने लिए एक नगर निर्माण की माँग कि, तो विष्णुजी ने उन्हें साकेत को सबसे उचित स्थान बताया। बाद में मनु के साथ भगवान विश्वकर्मा को भेजा गया। स्कंदपुराण के अनुसार अयोध्या भगवान विष्णु के चक्र पर विराजमान है। भगवान श्रीराम के बाद बाद लव ने श्रावस्ती को बसाया। कुश ने एक बार पुनः राजधानी अयोध्या का पुनर्निर्माण कराया।

श्रीराम विकारों से मुक्त उत्तम और मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। इसी लिया उन्हें श्रेष्ठ मर्यादा का वाहक मर्यादा पुरुषोत्तम कहा गया है। वह धर्म, विवेक और आदर्श, के साथ मर्यादा और नैतिकता के प्रतीक हैं। वह मनवता के धर्मप्राण हैं। अहंकार और अविवेक रहित हैं। वह क्रोध, पाप से बिलग हैं। वह समदर्शी हैं। उन्होंने अपने निहित स्वार्थ के लिए धर्म की ध्वज को कभी गिरने नहीं दिया। न्याय और धर्म को हमेशा शीर्ष पर रखा। पिता महराज दशरथ और माँ कैकैई के वचनों के अनुपालन में राजसत्ता और वनवास को त्याग दिया। प्रजा के भावनाओं को उन्होंने हमेशा सम्मान किया। अयोध्या की प्रजा कि तरफ़ से आशंका उठने पर माँ सीता को वनवास भेज दिया। श्रीराम लोक मर्यादा को कहीं से भी भंग नहीं होने दिया। यहीं वजह रहीं कि वह लोकरंजक कहलाए। उन्हें प्रजारंजक कहा गया। राज्य विस्तार को उन्होंने सिरे से खारिज किया। लंका को जीत कर विभीषण का राजतिलक किया। बालि के कुकर्मों का अंतकर सुग्रीव को राजा बनाया तो अंगद को युवराज। राक्षसों को वध कर दण्डकारण्य ऋषियों और मुनियों को दिया। श्रीराम हिंदुत्व के ध्वजवाहक हैं। वह धर्म हैं, संस्कार हैं। संस्कृति हैं। श्रीराम हिंदुत्व के राग, रंग और संस्कार हैं।वह मानववता के आधार स्तम्भ हैं। उनका अवतार ही इस धरा पर धर्म के अवतार के रूप में हुआ। मानवता के कल्याण और समाज के आदर्शवाद के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लोक कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने हमेशा अयोध्या में धर्म को राज्य के नीति में शामिल किया। लेकिन धरती पर अवतरण के बाद वह खुद राजनीति का शिकार हो गए। 500 सालों तक वह विवादों में उलझे रहे। खुद के लिए रामलला को अदालत में अपना पक्ष रखना पड़ा। त्रेता में 14 सालों तक वनवास झेला। लेकिन कलयुग में उन्हें 28 सालों तक वनवास काल को अस्थाई टेंट में गुजारना पड़ा। राम को राजनीति का आधार बनाने वाले आलीशान बंगलों में गुजारा जबकि हमारे प्रभु टेंट में विराजमान होकर भक्तो के लिए स्वयं राजनीति की भेंट चढ़ गए। राम को आगे रख कर 500 सालों तक खून- ख़राबा करने वाले लोग अपनी सियासी रोटी सेंकते रहे लेकिन प्रभु न्याय के लिए जीर्ण मंदिर और टेंट में अपने मालिकाना हक कि लड़ाई लड़ी और आख़िरकार विजयी हुए। श्रीराम की इस लड़ाई में किसी का जस और निहोरा नहीं है। उन्होंने यह लड़ाई मर्यादा में रह कर जीता है। तक़रीबन तीन दशक बाद उन्हें अपना घर मिलने जा रहा है। तभी तो इस ख़ुशी में अयोध्या सतरंगी हो चली है। श्रीराम की अयोध्या रघुवंशी राजाओं की बेहद प्राचीन राजधानी थी। यह यह कौशल की राजधानी थी। वाल्मीकि रामायण में अयोध्या 12 योजन लम्बी और 3 योजन चौड़ी बताई गई है। आईन-ए-अकबरी के अनुसार अयोध्या कि लंबाई 148 कोस तथा चौड़ाई 32 कोस मानी गई है। 'कोसल नाम मुदितः स्फीतो जनपदो महान। निविष्टः सरयूतीरे प्रभूतधनधान्यवान्' का उल्लेख है। अयोध्या के दर्शनीय स्थलों में हनुमान गढ़ी, रामदरबार, सीतामहल, राम की पैड़ी, गुप्त द्वार घाट, कैकेयी घाट, कौशल्या घाट, पापमोचन घाट, लक्ष्मण जैसे प्रमुख स्थल हैं। भगवान राम का जन्म चैत्र मास की नवमी को रामनवमी के रूप में मनाया जाता है। कहते हैं कि 1528 में बाबर के सेनापति मीरबकी ने अयोध्या में राम जन्मभूमि पर स्थित मंदिर तोड़कर बाबरी मस्जिद बनवाई। अयोध्या का का शाब्दिक अर्थ है जहाँ कभी युध्द न हुआ हो अर्थात अ-युध्य अथार्थ 'जहां कभी युद्ध नहीं होता। श्रीराम जन्मभूमि को लेकर 500 सालों तक विवाद चला। 1528 में बाबर के सेनापति मीरबाकि की तरफ़ से मंदिर को तोड़कर मस्जिद बना दी गई और उसे बाबरी मस्जिद का नाम दे दिया गया। जिसके बाद से हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोग उस पर दावा ठोंकते रहे। इस दौरान अनगिनत रक्तपात हुए। लाखों लोगों की जान गई। 1990 में राममंदिर आंदोलन चरम पर पहुँच गया जब भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी ने रथयात्रा निकाली। मुलायम सिंह ने रामभक्तों पर गोलियां चलवाई। कहा जाता है उस समय सरयू जल भक्तों के खून से लाल हो गया था। 1992 में कल्याण सिंह के ज़माने में विवादित ढाँचा कारसेवा के ज़रिए गिरा दिया गया। उस दौरान केन्द्र में काँग्रेस की सरकार थीं और प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव थे। अयोध्या विवाद के हल करने के लिए इन 20 सालों में काफी पहल हुई लेकिन कोई परिणाम नहीं निकला। यह मुद्दा सियासी दलों के लिए वोट बैंक बन गया। 1986 में राम मंदिर का ताला खुलवाने के बाद भी तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गाँधी भी इसी राजनीति कि वजह से कुछ नहीं कर पाए। हिंदुत्व के परख समर्थ बालासाहब ठाकरे भी इस आंदोलन में अपनी अहम भूमिका निभाई।

सुप्रीमकोर्ट में अंततः रामलला की जीत हुई और भव्य राम मंदिर का मार्ग प्रशस्त हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उसी राम मंदिर की 05 अगस्त को आधारशिला रखने जा रहें हैं। हालांकि यह कार्यक्रम कोरोना संक्रमण कि वजह से बेहद सीमित दायरे में होगा। श्रीराम लला ट्रस्ट ने सीमित लोगों को ही आमंत्रित किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की निगरानी में पूरी अयोध्या को त्रेतायुग का लुक दिया गया है। आधुनिक विद्युत झालरें और पेंटिग कि वजह से अयोध्या में दिपावली का नजारा है। कल पूरी अयोध्या के साथ देश में दीपावली मनाई जाएगी। सनातन धर्म और संस्कृति के लिए यह गर्व का दिन है। क्योंकि श्रीराम का वनवास लंबे इंतजार के बाद ख़त्म हो रहा है। अब वक्त आ गया जब इस विवाद का खात्मा हो चाहिए। अब राम को राम ही रहने दिया जाय। सत्ता के लिए उन्हें राजनीति का राम न बनाया जाय।

400 वर्षों का इतिहास

राम मंदिर विध्वंस से अयोध्या में भूमि पूजन तक की पूरी कहानी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच अगस्त यानी आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन करेंगे। इसके साथ ही मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। राम मंदिर निर्माण के लिए वर्षों तक कोर्ट में केस चला। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने मंदिर आंदोलन के साथ-साथ इसे अपने चुनावी घोषणा पत्रों में भी लगातार शामिल किया।

आइए एक जानते हैं राम मंदिर विध्वंस से अयोध्या में भूमि पूजन तक की पूरी कहानी-

- 1528 : मुगल बादशाह बाबर के कमांडर मीर बकी ने बाबरी मस्जिद का निर्माण कराया।
- 1885 : महंत रघुबीर दास ने फैजाबाद जिला अदालत में याचिका दायर कर विवादित रामजन्मभूमि-बाबरी मस्जिद ढांचे के बाहर शामियाना तानने की अनुमति मांगी। अदालत ने याचिका खारिज कर दी।
- 1949 : विवादित ढांचे के बाहर केंद्रीय गुंबद के अंदर रामलला की मूर्तियां लगाई गईं।
- 1950 : रामलला की मूर्तियों की पूजा का अधिकार हासिल करने के लिए गोपाल सिमला विशारद ने फैजाबाद जिला अदालत में याचिका दायर की।
- 1950 : परमहंस रामचंद्र दास ने पूजा जारी रखने और मूर्तियां रखने के लिए याचिका दायर की।
- 1959 : निर्मोही अखाड़ा ने जमीन पर अधिकार दिए जाने के लिए याचिका दायर की।
- 1981 : उत्तरप्रदेश सुन्नी केंद्रीय वक्फ बोर्ड ने स्थल पर अधिकार के लिए याचिका दायर की।
- एक फरवरी 1986 : स्थानीय अदालत ने सरकार को हिंदू श्रद्धालुओं के लिए स्थान खोलने का आदेश दिया।
- 14 अगस्त 1986 : इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने विवादित ढांचे के लिए यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया।
- छह दिसम्बर 1992 : रामजन्मभूमि - बाबरी मस्जिद ढांचे को ढहाया गया।
- तीन अप्रैल 1993 : विवादित क्षेत्र में केंद्र द्वारा भूमि अधिग्रहण के लिए अयोध्या में निश्चित क्षेत्र अधिग्रहण कानून बना। कई रिट याचिकाएं दायर की गईं जिनमें एक इलाहाबाद उच्च न्यायालय में इस्माइल फारूकी द्वारा दायर याचिका शामिल थी। सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 139ए के तहत अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर रिट याचिकाओं को स्थानांतरित कर दिया जो उच्च न्यायालय में लंबित थीं।
- 24 अक्टूबर 1994 : सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक इस्माइल फारूकी मामले में कहा कि मस्जिद इस्लाम से जुड़ा हुआ नहीं है।
- अप्रैल 2002 : उच्च न्यायालय में विवादित स्थल के मालिकाना हक को लेकर सुनवाई शुरू।
- 13 मार्च 2003 : सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि असलम उर्फ भूरे मामले में अधिग्रहित स्थल पर किसी भी तरह की धार्मिक गतिविधि की अनुमति नहीं है।
- 30 सितम्बर 2010 : सुप्रीम कोर्ट ने 2 : 1 बहुमत से विवादित क्षेत्र को सुन्नी वक्फ बोर्ड, निर्मोही अखाड़ा और रामलला के बीच तीन हिस्सों में बांटने का आदेश दिया।
- 9 मई 2011 : सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या जमीन विवाद में उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगाई।
- 26 फरवरी 2016 : सुब्रमण्यम स्वामी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर विवादित स्थल पर राम मंदिर बनाए जाने की मांग की।
- 21 मार्च 2017 : सीजेआई जे एस खेहर ने संबंधित पक्षों के बीच अदालत के बाहर समाधान का सुझाव दिया।
- 7 अगस्त 2017 : सुप्रीम कोर्ट ने तीन सदस्यीय पीठ का गठन किया जो 1994 के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करेगी।
- 8 अगस्त 2017 : उत्तर प्रदेश शिया केंद्रीय वक्फ बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि विवादित स्थल से उचित दूरी पर मुस्लिम बहुल इलाके में मस्जिद बनाई जा सकती है।
- 11 सितम्बर 2017 : सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को निर्देश दिया कि दस दिनों के अंदर दो अतिरिक्त जिला न्यायाधीशों की नियुक्ति करें जो विवादिस्त स्थल की यथास्थिति की निगरानी करे।
- 20 नवम्बर 2017 : यूपी शिया केंद्रीय वक्फ बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि मंदिर का निर्माण अयोध्या में किया जा सकता है और मस्जिद का लखनऊ में।
- 1 दिसम्बर 2017 : इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 2010 के फैसले को चुनौती देते हुए 32 मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने याचिका दायर की।
- 8 फरवरी 2018 : सिविल याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई शुरू की।
- 14 मार्च 2018 : सुप्रीम कोर्ट ने स्वामी की याचिका सहित सभी अंतरिम याचिकाओं को खारिज किया।
- 6 अप्रैल 2018 : राजीव धवन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर 1994 के फैसले की टिप्पणियों पर पुनर्विचार के मुद्दे को बड़े पीठ के पास भेजने का आग्रह किया।
- 6 जुलाई 2018 : यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि कुछ मुस्लिम समूह 1994 के फैसले की टिप्पणियों पर पुनर्विचार की मांग कर सुनवाई में विलंब करना चाहते हैं।
- 20 जुलाई 2018 : सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा।
- 27 सितम्बर 2018 : सुप्रीम कोर्ट ने मामले को पांच सदस्यीय संविधान पीठ के समक्ष भेजने से इंकार किया। मामले की सुनवाई 29 अक्टूबर को तीन सदस्यीय नयी पीठ में होगी।
- 29 अक्टूबर 2018 : सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई उचित पीठ के समक्ष जनवरी के पहले हफ्ते में तय की जो सुनवाई के समय पर निर्णय करेगी।
- 12 नवम्बर 2018 : अखिल भारत हिंदू महासभा की याचिकाओं पर जल्द सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इंकार।
- 4 जनवरी 2019 : सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मालिकाना हक मामले में सुनवाई की तारीख तय करने के लिए उसके द्वारा गठित उपयुक्त पीठ दस जनवरी को फैसला सुनाएगी।
- 8 जनवरी 2019 : सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ का गठन किया जिसकी अध्यक्षता प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई करेंगे और इसमें न्यायमूर्ति एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति एन वी रमन्ना, न्यायमूर्ति यू यू ललित और न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ शामिल होंगे।
- 10 जनवरी 2019 : न्यायमूर्ति यू यू ललित ने मामले से खुद को अलग किया जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई 29 जनवरी को नयी पीठ के समक्ष तय की।
- 25 जनवरी 2019 : सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए पांच सदस्यीय संविधान पीठ का पुनर्गठन किया। नयी पीठ में प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई, न्यायमूर्ति एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति अशोक भूषण और न्यायमूर्ति एस ए नजीर शामिल थे।
- 26 फरवरी 2019 : सुप्रीम कोर्ट ने मध्यस्थता का सुझाव दिया और फैसले के लिए पांच मार्च की तारीख तय की जिसमें तय किया जाता कि मामले को अदालत की तरफ से नियुक्त मध्यस्थ के पास भेजा जाए अथवा नहीं।
- 6 मार्च 2019 : सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा कि क्या जमीन विवाद को मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाया जा सकता है या नहीं।
- 8 मार्च 2019 : सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या भूमि के मालिकाना हक से जुड़े विवाद के सर्वमान्य समाधान की संभावना तलाशने के लिए शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश एफ. एम. आई. कलीफुल्ला की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय मध्यस्थता समिति गठित की। इस समिति के अन्य सदस्यों में आध्यत्मिक गुरु और आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्रीश्री रविशंकर और वरिष्ठ अधिवक्ता श्रीराम पांचू शामिल हैं।
- 10 मई 2019 : सर्वोच्च न्यायालय ने अयोध्या राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद से जुड़े विवाद को सुलझाने के लिए मध्यस्थता समिति को 15 अगस्त तक का समय दिया। तीन-सदस्यीय मध्यस्थता समिति के प्रमुख न्यायमूर्ति एफ.एम.आई. कलीफुल्ला ने मध्यस्थता प्रयासों में अब तक हुई प्रगति पर अदालत में रिपोर्ट पेश करते हुए और समय देने की मांग की जिसके बाद अदालत ने समय बढ़ाने का आदेश दे दिया।
- 11 जुलाई 2019: सुप्रीम कोर्ट ने मध्यस्थता की प्रगति पर रिपोर्ट मांगी।
- 18 जुलाई 2019: सुप्रीम कोर्ट ने मध्यस्थता प्रक्रिया को जारी रखने की अनुमति देते हुए एक अगस्त तक परिणाम रिपोर्ट देने के लिये कहा।
- 1 अगस्त 2019: मध्यस्थता की रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में अदालत को दी गई।
- 2 अगस्त 2019: सुप्रीम कोर्ट ने मध्यस्थता नाकाम होने पर छह अगस्त से रोजाना सुनवाई का फैसला किया।
- 6 अगस्त 2019: सुप्रीम कोर्ट ने रोजाना के आधार पर भूमि विवाद पर सुनवाई शुरू की।
- 4 अक्टूबर 2019: अदालत ने कहा कि 17 अक्टूबर तक सुनवाई पूरी कर 17 नवंबर तक फैसला सुनाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष को सुरक्षा प्रदान करने के लिये कहा।
- 16 अक्टूबर 2019: सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रखा।
- 9 नवंबर 2019: चीफ जस्टिस आफ इंडिया (सीजेआई) रंजन गोगोई के समझ 5 जजों की बेंच ने शनिवार को सुनाए गए फैसले में विवादित जमीन विराजमान राम लला को दी है। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को वैकल्पिक रूप से अलग 5 एकड़ जमीन मस्जिद बनवाने के लिए दी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ज्योतिषाचार्य दिग्विजय जी, मुहूर्त देखकर बताएं कांग्रेस का अगला अध्यक्ष कौन होगा - बीजेपी

भोपाल।

को अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन हो रहा है। इसके लिए पूरे देश में जश्न का माहौल है। वहीं भूमिपूजन के मुहूर्त को लेकर कांग्रेस और बीजेपी में ट्वीटर वार जारी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने भले ही राममंदिर निर्माण को लेकर खुशी जाहिर की हो लेकिन भूमिपूजन के मुहूर्त को लेकर वे लगातार हमलावर हैं। मुहूर्त को लेकर राज्य में जंग सी छिड़ गई है।

एक तरफ दिग्विजय सिंह ने पीएम मोदी पर निशाना साधा तो दूसरी और गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने दिग्विजय सिंह पर पलटवार किया और कहा करोड़ों राम भक्तों की आस्था से खेलने के बजाय ज्योतिषाचार्य दिग्विजय सिंह को कुछ शुभ मुहूर्त अपनी पार्टी के लिए भी निकालने चाहिए और बताना चाहिए कि अगला वह नेता कौन होगा जो हताश होकर कांग्रेस पार्टी को छोड़ेगा। दरअसल सोमवार को ट्वीट करते हुए प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि दिग्विजय सिंह करोड़ों राम भक्तों की आस्था से खेल रहे हैं। राम मंदिर पर शुभ मुहूर्त का आकलन करने से बेहतर सुझाव यह है कि दिग्विजय सिंह अपनी पार्टी के लिए कुछ शुभ मुहूर्त निकलवाए। नरोत्तम मिश्रा ने राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह को सुझाव देते हुए कहा कि उन्हें शुभ मुहूर्त निकालना चाहिए की कांग्रेस में अगला कौन सा नेता ऐसा होगा जो कांग्रेस की पार्टी छोड़कर जाएगा। वही पार्टी का अगला अध्यक्ष कौन होगा। बता दें कि 5 अगस्त को राम जन्मभूमि अयोध्या में भूमि पूजन का शुभ मुहूर्त है। जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों भूमि पूजन किया जाएगा। दिग्विजय सिंह लगातार इस मुद्दे पर सवाल उठा रहे हैं। सोमवार को ट्वीट के जरिए दिग्विजय ने यहां तक कह दिया कि मंदिर पूजन के लिए हिंदू धर्म की मान्यताओं को नजरअंदाज किया गया है। यही कारण है कि देश के गृह मंत्री अमित शाह से लेकर राम मंदिर के पुजारी तक कोरोना संक्रमित हो गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

त्रिपुरा मुख्यमंत्री बिप्लब की कोरोना रिपोर्ट आई नेगेटिव, फिर भी 7 दिन तक रहेंगे होम क्वारंटाइन

नेशनल डेस्क। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब की मंगलवार को कोरोना वायरस की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। हालांकि बिप्लब कुमार देब के परिवार के दो सदस्यों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। परिवार के सदस्यों की रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर देब ने अगले 7 दिनों के लिए खुद को घर पर ही आइसोलेट करने का फैसला किया है। देब ने सोमवार देर रात ट्वीट किया, '' मेरे परिवार के दो सदस्यों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। कोई अन्य सदस्य संक्रमित नहीं है। देब ने बताया कि दोनों संक्रमित सदस्य घर पर ही क्वारंटाइन में हैं। मुख्यमंत्री ने मंगलवार सुबह ट्वीट किया, ''कोविड-19 की जांच में मेरे संक्रमित नही होने की पुष्टि हुई है। अगले सात दिन तक में क्वारंटाइन में रहूंगा और अन्य दिशा-निर्देशों का पालन करूंगा। मैं घर से ही काम करूंगा। मैं त्रिपुरा के लोगों का उनकी शुभकामनाओं और दुआओं के लिए शुक्रिया करता हूं। कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी और हम इसे एक साथ जीतेंगे। सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास को रोगाणुमुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि देब के एक सुरक्षा कर्मी के कुछ दिन पहले संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी।

खिलौना बंदूक लेकर श्रीनगर हाईवे पर लोगों से ठगते थे पैसे, पुलिस ने यूं कि गैंग का भंडाफोड़

श्रीनगर। कश्मीर में सक्रिय हाईवे ठग गैंग का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। यह गैंग श्रीनगर के बटमालू में हाईवे पर लोगों को खिलौना बंदूक दिखाकर उनसे लूटपाट करता था। इस संदर्भ में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के अनुसार उन्हें इन लोगों के बारे में शिकायत मिल रही थी और कई लोग समझ रहे थे कि यह काम या तो आतंकियों का है या फिर पेशेवर चोरों का। जनकारी के अनुसार दो लोग टंगपोरा में एक गाड़ी चालक को बंदूक दिखाकर उससे पैसे की मांग कर रहे थे। खुद को आतंकी बताकर वे गाड़ी चालक को धमका रहे थे। चालक ने दोनों को बातों में उलझाकर पुलिस को सूचित कर दिया। पुलिस की एक पार्टी जोकि रात से ही पेटरोलिंग कर रही थी, मौके पर पहुंची और एक चोर को पकड़ लिया। दूसरा भागने में कामयाब रहा। इस संदर्भ में बटमालू पुलिसचैकी में एफआईआर दर्ज कर दी गई है। पकड़े गये चोर की पहचान इमरान अहमद शाह पुत्र गुलाम मोहम्मद शाह निवासी नौगाम के तौर पर हुई है। पुलिस के अनुसार चोर चोरी को अंजाम देने के लिए कार का प्रयोग करते थे और उसे भी सीज कर लिया गया है। उनके पास से दो खिलौना बंदूक और एक पाउच मिला है। पकड़े गये चोर के अनुसार उसका अंकल जमीर अहमद शाह उसे इस काम में मदद करता था।

कोरोना वायरस की वैक्सीन पर काम कर रहे वैज्ञानिकों के लिए अच्छी खबर!

नई दिल्ली। कोविड-19 के टीके पर काम कर रहे वैज्ञानिकों के लिए यह खबर अच्छी हो सकती है कि एक नये अध्ययन के अनुसार इस बीमारी को फैलाने वाले सार्स-सीओवी-2 वायरस के कम से कम छह प्रकार (स्ट्रेन) होने के बाद भी यह बहुत कम परिवर्तनशीलता प्रदर्शित करता है। पत्रिका फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायलॉजी में प्रकाशित और सार्स-सीओवी-2 पर अब तक के सबसे गहन अध्ययन में कोरोना वायरस के 48,635 जीनोम का विश्लेषण किया गया है। इन जीनोम को दुनियाभर में अनुसंधानकर्ताओं ने प्रयोगशालाओं से प्राप्त किया। इटली के बोलोना विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने वायरस के सभी महाद्वीपों में फैलने के दौरान इसके फैलाव और उत्परिवर्तन की मैपिंग की। अध्ययन के निष्कर्ष में सामने आया कि नोवेल कोरोना वायरस बहुत कम परिवर्तनशीलता (वैरिएबिलबटी), प्रति नमूने करीब सात उत्परिवर्तन प्रदर्शित करता है। अनुसंधानकर्ताओं के अनुसा रसामान्य इन्फ्लुएंजा में परिवर्तनशीलता की दर दुगुने से अधिक होती है। बोलोना विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ता फेडेरिको गियोर्जी ने कहा, च्च्सार्स-सीओवी-2 कोरोना वायरस संभवतः पहले ही मानव जाति को प्रभावित करने के स्तर पर पहुंच चुका है और यह उसके विकास क्रम में बहुत कम बदलाव को इंगित करता है। उन्होंने कहा, इसका आशय हुआ कि हम इसके खिलाफ कोई टीका समेत अन्य जो भी उपचार तरीके विकसित कर रहे हैं, वे सभी तरह के वायरस के खिलाफ प्रभावी हो सकते हैं। अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि इस समय नोवेल कोरोना वायरस के छह प्रकार सामने आये हैं। उन्होंने कहा कि इनमें सबसे मौलिक एल स्ट्रेन है जो दिसंबर 2019 में वुहान में सामने आया था। इसके पहले उत्परिवर्तन के बाद एस स्ट्रेन सामने आया जिसका पता 2020 की शुरुआत में चला, वहीं जनवरी के मध्य में वी और जी स्ट्रेन सामने आये। अनुसंधानकर्ताओं के अनुसार आज की तारीख में सबसे ज्यादा प्रकोप स्ट्रेन जी का है जो फरवरी के अंत तक जीआर तथा जीएस स्ट्रेन में उत्परिवर्तित हुआ।

पाकिस्तान ने पुंछ के अग्रिम इलाकों में गोलाबारी की

जम्मू । पाकिस्तान की सेना ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर अग्रिम इलाकों में भारी गोलाबारी की जिसका भारतीय सैनिकों ने भी माकूल जवाब दिया। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी । अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान की सेना ने नियंत्रण रेखा पर स्थित मनकोट सेक्टर की देबराज पट्टी के अग्रिम इलाकों में भी भारी गोलाबारी की। रक्षा प्रवक्ता ने बताया, मंगलवार करीब सात बजे, पाकिस्तान की सेना ने पुंछ जिले के कृष्णघाटी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर छोटे हथियारों से गोलीबारी की तथा मोर्टार से गोले दागे। उन्होंने बताया कि भारतीय सेना इसका जवाब दे रही है। पिछले महीने पाकिस्तानी सेना ने संघर्षविराम का 47 बार उल्लंघन किया था। जुलाई में उसने राजौरी, पुंछ, कुपवाड़ा तथा बारामूला जिलों में लगभग हर रोज नियंत्रण रेखा पर स्थित इलाकों में गोले बरसाए थे।

सुशांत सुसाइड केस- बिहार सरकार ने केंद्र से की सीबीआई जांच की सिफारिश

नेशनल डेस्क।

बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत सुसाइड केस में मामला बढ़ता ही जा रहा है। वहीं सुशांत केस में अब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो जांच की सिफारिश केंद्र से की है। बिहार सीएम नीतीश ने जांच को मंजूरी दे दी है अब केंद्र की तरफ से इस पर मंजूरी का इंतजार हैं। सुशांत सिंह के पिता के के सिंह ने मंगलवार को ही सीएम नीतीश कुमार से बात करके सीबीआई जांच की मांग की थी। एक न्यूज चैनल से बात करते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि सुशांत सिंह राजपूत के पिता से आज ही मेरी बात हुई थी, सभी चाहते हैं कि इस मामले में सच्चाई सामने आए। दिवंगत एक्टर के पिता की मांग के आधार पर ही बिहार सरकार, सीबीआई जांच की सिफारिश करेगी। बिहार सीएम ने कहा कि आज शाम तक सभी कागजी कार्रवाई होगी और इसकी सिफारिश केंद्र को भेज देंगे। नीतीश कुमार ने कहा कि जब एफआईआर दर्ज हुई तो बिहार पुलिस ने इसकी जांच के लिए टीम भेजी लेकिन मुंबई पुलिस ने सहयोग नहीं किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई पुलिस को सूचना देने के बाद ही बिहार पुलिस महाराष्ट्र के लिए रवाना हुई थी लेकिन इस सबके बावजूद भी आईपीएस अफसर को क्वारंटाइन किया गया और उनके हाथ पर मुहर भी लगा दी गई। नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार पुलिस इस मामले की सही से जांच की हर कोशिश की कर रही है लेकिन मुंबई पुलिस का व्यवहार ठीक नहीं है। वहीं सुशांत सिंह राजपूत के परिवार के वकील विकास सिंह ने मुंबई पुलिस पर जांच में सहयोग न करने और जांच में बाधा डालने का आरोप लगाया है। वकील विकास सिंह ने कहा- मुंबई पुलिस जांच में अड़ंगा लगा रही है।

25,000 लावारिस शवों का अंतिम संस्कार कर चुके शरीफ चाचा को भी राम भूमि पूजन का न्योता

नेशनल डेस्क। पिछले करीब 27 साल से लावारिस शवों का अंतिम संस्कार कर मानवता की सेवा करने वाले अयोध्या के मकबूल बाशिंदे पद्मश्री मोहम्मद शरीफ उर्फ शरीफ चाचा को भी बुधवार को होने वाले राम मंदिर शिलान्यास कार्यक्रम में शिरकत का न्योता मिला है। शरीफ के बेटे मोहम्मद सगीर ने मंगलवार को बताया कि करीब 82 वर्षीय उनके पिता को रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से भेजा गया निमंत्रण मंगलवार को दोपहर में मिला है। हालांकि उन्होंने यह कहा कि उनके पिता को पिछले कुछ समय से गुर्दों की बीमारी के कारण काफी परेशानी हो रही है और वह ठीक से चल भी नहीं पा रहे, लिहाजा वह कायक्रम में शरीक हो पाएंगे, इसमें संदेह है। सगीर ने बताया कि शरीफ चाचा का अल्ट्रासाउंड कराया जा रहा है और उनकी हालत देखने के बाद तय किया जाएगा कि वह कार्यक्रम में शामिल हो पाएंगे या नहीं। पेशे से बाइसिकल मैकेनिक मोहम्मद शरीफ पिछले करीब 27 साल से जिले में लावारिस शवों का अंतिम संस्कार करते हैं। सगीर के मुताबिक उनके पिता हिंदू, मुस्लिम समेत सभी धर्मों से जुड़े लोगों के लावारिस शवों का उनकी आस्था के मुताबिक अंतिम संस्कार करते हैं। अब तक वह करीब 25,000 लावारिस शवों का अंतिम संस्कार कर चुके हैं।

कीडियां गंडियाल में पुलिस नाके पर ही बहनों ने अपने भाईयों की कलाईयों पर बांधी राखी

कठुआ । कोविड 19 महामारी के बावजूद बहन भाई के प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने अपने भाईयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांध उनकी लंबी आयु सहित स्वस्थ जीवन की कामना की। जिला भर में तो वाहनों की आवाजाही तो जारी थी लेकिन कोविड 19 के चलते पंजाब से आने वाले लोगों को यहां एस.पी.ओ. के तहत क्वारंटाइन होने संबंधी औपचारिकताओं के चलते काफी लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ना था। ऐसे में रक्षाबंधन के पर्व को देखते हुए जिला प्रशासन एवं पुलिस की अनुमति के चलते पंजाब से आने वाले तमाम भाई-बहनों को नाके पर ही रोका जा रहा था। भाई-बहनों ने यहां पर ही रक्षाबंधन का पर्व मनाया। पंजाब से आने वाली बहनों ने कठुआ में रहने वाले अपने भाईयों को नाके के पास ही बुला लिया था और यहां ही उन्होंने रक्षाबंधन की रस्म को निभाया। यही नहीं जिन महिलाओं के मायके पंजाब के पठानकोट या फिर आसपास के इलाकों में थे, उन महिलाओं ने भी अपने भाईयों को नाके पर बुलाकर उनकी कलाई पर राखी बांधी। पंजाब से पहुंची महिलाओं ने बताया कि ऐसा पहली बार हो रहा है कि रक्षाबंधन का पर्व पुलिस नाके पर मनाया जा रहा है।

बुजुर्गों को समय पर पेंशन दी जाए, वृद्धाश्रमों में लोगों को पीपीई, मास्क प्रदान किये जाएं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली।

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि बुजुर्ग लोगों को समय पर पेंशन दी जानी चाहिए और कोविड-19 महामारी के दौरान देशभर में वृद्धाश्रमों में रहने वाले लोगों को पीपीई, सैनिटाइजर और मास्क प्रदान किये जाएं। शीर्ष अदालत ने कहा कि बुजुर्ग लोग परेशानियों का सामना कर रहे हैं और प्रशासन को इस बात के लिए कदम उठाने चाहिए कि जहां उन्हें जरूरत हो, मदद पहुंचाई जाए। न्यायालय ने कहा कि अधिकारियों को उन्हें समय पर पेंशन का भुगतान सुनिश्चित करना चाहिए और वृद्धाश्रमों में रहने वालों को पीपीई किट दी जानी चाहिए। न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पीठ ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी कुमार की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि बुजुर्गों को समय से पेंशन का भुगतान किया जाना चाहिए। इससे पहले, कुमार ने कहा कि महामारी के दौरान बजुर्गों को समय पर पेंशन मिलना जरूरी है। उन्होंने शीर्ष अदालत से कहा कि करोड़ों बुजुर्ग अकेले रहे हैं और इस बात के लिए उचित निर्देश जारी किये जाने चाहिए कि पात्र लोगों को समय पर पेंशन मिले।

केंद्र की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता वी मोहन ने पीठ से कहा कि राज्य सरकारें इस दिशा में प्रयास कर रही हैं। मोहन ने याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए जब एक सप्ताह का समय मांगा तो कुमार ने विरोध करते हुए कहा कि इस मामले में तत्काल कार्रवाई की जरूरत है। पीठ ने एक अन्य याचिका पर भी सुनवाई की जिसमें कोरोना वायरस सक्रमित बुजुर्गों का उपचार बिना भेदभाव के करने का निर्देश देने की मांग की गयी है।

रावण मंदिर के पुजारी को भी राम मंदिर शिलान्यास का बेसब्री से इंतजार,बोले- बांटेंगे मिठाई

नेशनल डेस्क।

अयोध्या से 650 किलोमीटर दूर नोएडा में रावण के मंदिर के पुजारी को भी राम नगरी में भव्य मंदिर के शिलान्यास की घड़ी का बेसब्री से इंतजार है। गौतम बुद्ध नगर के बिसरख इलाके में रावण का मंदिर स्थित है। उसके पुजारी महंत रामदास का कहना है कि 5 अगस्त को अयोध्या में राम मंदिर के भूमि पूजन का उन्हें बेसब्री से इंतजार है और यह रस्म संपन्न होने के बाद वह लोगों में मिठाई बाटेंगे। महंत रामदास ने टेलीफोन पर बातचीत में कहा कि अगर रावण न होता, तो कोई भी श्रीराम को नहीं जानता और अगर राम नहीं होते तो दुनिया को रावण के बारे में नहीं पता चलता। उन्होंने कहा कि वह अयोध्या में राम मंदिर के शिलान्यास को लेकर बेहद प्रसन्न हैं। शिलान्यास के बाद वह लोगों में लड्डू बांट कर खुशी मनाएंगे। मंदिर का शिलान्यास एक बहुत शुभ घटनाक्रम है। वहां भव्य राम मंदिर का निर्माण होने पर उन्हें बहुत खुशी होगी। महंत ने बताया कि लोकोक्तियों के मुताबिक बिसरख रावण का जन्म स्थान है, लिहाजा हम इसे रावण जन्मभूमि भी कहते हैं। उन्होंने रावण को परम ज्ञानी व्यक्ति बताते हुए कहा कि सीता का हरण करने के बाद रावण ने उन्हें अपने महल में ले जाने के बजाए अशोक वाटिका में रखा। इसके अलावा माता सीता की सुरक्षा के लिए महिलाओं को तैनात किया। अगर भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है तो मेरा मानना है कि रावण भी लोगों की मर्यादा का ख्याल रखता था। महंत रामदास ने बताया कि मंदिर में रावण के साथ-साथ भगवान शिव, पार्वती और कुबेर की मूर्तियां भी रखी हुई हैं। मंदिर में आने वाले करीब 20 श्रद्धालु रावण की पूजा करते हैं।

उमा भारती बोली- राम का नाम या अयोध्या बीजेपी की बपौती नहीं , कांग्रेस ने किया धन्यवाद

भोपाल।

अयोध्या में 5 अगस्त को होने वाले राममंदिर के शिलान्यास को लेकर मध्य प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। भाजपा हो या कांग्रेस दोनों राम पर हक जता रहे है,दोनों में सबसे बड़ा रामभक्त कौन की होड़ मची हुई है, ऐसे में बीजेपी की फायर ब्रांड नेता उमा भारती ने बड़ा बयान देकर सियासी गलियारों में हलचल मचा दी है। उन्होंने बीजेपी कार्यकर्ताओं को समझाते हुए तीखे शब्दों में कहा है कि राम के नाम पर बीजेपी का पेटेंट नहीं हुआ है। उमा भारती के इस बयान के बाद कांग्रेस ने थैंक्स कहा है। उमा भारती ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा है राम के नाम पर किसी का पेटेंट नहीं हो सकता है।कोई रहे न रहे राम रहेंगे, इसलिए अहंकार नहीं पालना चाहिए। राम का नाम अयोध्या या बीजेपी के बाप की बपौती नहीं है। ये सबकी हैं, जो बीजेपी में हैं या नहीं हैं। जो किसी भी धर्म को मानते हो। जो राम को मानते हैं, राम उन्हीं के हैं। वहीं उमा भारती के इस बयान का मध्य प्रदेश कांग्रेस ने सामर्थन किया है। उमा भारती के इस वीडियो को

कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह ने भी शेयर किया है। उन्होंने वीडियो शेयर कर लिखा, 'धन्यवाद उमा। वही पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण यादव ने भी बीजेपी नेता के इस बात से सहमति जताई और ट्वीट कर लिखा है कि बिल्कुल सही कहा उमा जी ने भगवान श्रीराम किसी पार्टी की बपौती नहीं है।

कहीं टूट तो नहीं जाएगी मध्यप्रदेश की भाजपा ?

भोपाल ।

मध्य प्रदेश की राजनीति को कोरोना ने अपनी चपेट में ले लिया है। यहां के वरिष्ठ,मझोले और छोटे नेता कोरोना पॉजिटिव निकल रहे हों, तो यही कहा जाएगा। ऐसे में अब यह तो तय मानिए कि इन नेताओं के बोल-वचन, कोरोना-कहर जैसा ही होगा, सिर चढ़कर बोलेगा। इसे इस बात से समझने की कोशिश करिए कि कैसे और किस आत्मबल से मध्य प्रदेश भाजपा के कद्दावर नेता कैलाश विजयवर्गीय जी ने अपनी ही पार्टी के मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए हमलावर हो गए, और रविवार के दिन लॉकडाउन की मांग को लेकर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तारीफ कर दी है। जबकि भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें बंगाल का प्रभार सिर्फ इस उम्मीद से दिया था कि वह सिर्फ ममता बनर्जी की गलत नीतियों पर सवाल उठाएंगे लेकिन इस तारीफ से पूरा भाजपा आलाकमान सकते में है। अब भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव का यह बयान इंदौर से चलकर पूरे प्रदेश में फैल चुका है और कोरोना संक्रमण की तरह ही नेताओं को संक्रमित भी कर रहा है। प्रदेश की जनता को मालूम है कि आने वाले दिनों में यहां 27 सीटों पर उपचुनाव होना है, साथ ही नेता विपरीत परिस्थितियों में भी प्राणपन से इसकी तैयारी में जुटे हैं। जबकि प्रदेश में आए दिन नेताओं के नाराज होने और उन्हें मनाने का सिलसिला भी खूब देखा जा रहा है।

भाजपाई कितना भी आंख बंद कर ले और सब ठीक है, एकजुट है का नारा दें। लेकिन जनता तो यह देख ही रही है कि किस प्रकार पूर्व सांसद रघुनंदन शर्मा जी के यहां कुछ सीनियर भाजपाइयों ने पार्टी की वर्तमान रीति नीति पर सवाल उठाए थे। शर्मा के निवास पर पूर्व विधायक रमेश शर्मा गुड्डू भैया, शैलेंद्र प्रधान पुराने और सत्य निष्ठा भाजपाई माने जाने वाले युवा नेतृत्व धीरज पटेरिया जुटे। साथ ही वर्चुअल मीडिया के जरिए पूर्व सांसद अनूप मिश्रा और पूर्व मंत्री दीपक जोशी भी शामिल हुए। इस बैठक से जो बातें निकली उसमें साफ था कि भारतीय जनता पार्टी में संवादहीनता है और संपर्क समाप्त हो गया है। पहले निर्णय सामूहिक होते थे अब व्यक्तिगत हो गया है। लोग पद की तरफ भागने लगे हैं। ऐसा नहीं है कि उपचुनाव से पहले इस तरह की बैठकों पर जनता की कोई विचारधारा नहीं होती, बल्कि वह बखूबी समझती है कि भाजपा के वरिष्ठ और कद्दावर नेताओं के बयानबाजी और बोल-वचन के क्या मायने होते हैं। अभी पहले के कई मीडिया चर्चा के दौरान भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रभात झा ने भी कई मुद्दे पर अपनी बात बड़ी बेबाकी से रखी थी। उनसे जब पार्टी में नाराजगी को लेकर सवाल पूछे गए उन्होंने साफ तौर पर भले ही सब ठीक है का नारा देते हुए बार-बार एक ही सवाल ना पूछने और उन्हें ना उकसाने का कहकर मीडियाकर्मी को चुप करा दिया हो,लेकिन क्या लगता है कि आग नहीं लगी है। बस यह समझ लीजिए कि भारतीय जनता पार्टी में इस तरह की बातों को पचाने का सामर्थ्य है, जबकि कांग्रेस में ऐसी बातें जगजाहिर हो जाती हैं।

बारिश के बाद मुंबई में लैंडस्लाइड, हाइवे पर गिरी चट्टान...सहम गए लोग

नेशनल डेस्क। मुंबई और निकटवर्ती ठाणे जिले में रातभर भारी बारिश के बाद कई जगह जलजमाव के कारण लोकल ट्रेन और यातायात सेवाएं मंगलवार को प्रभावित हुईं। वहीं मुंबई के समता नगर में वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे पर मंगलवार को कांदीवली में भूस्खलन की घटना सामने आई है। इसके बाद एयरपोर्ट और शहर की ओर जाने वाले राजमार्ग को एक तरफ से बंद कर दिया गया है। वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर मकर में पहाड़ी का एक हिस्सा गिर गया हालांकि, इसमें किसी नुकसान की खबर नहीं है। भारी बारिश के कारण कई इलाकों में बस और कारें गड्ढे में फंसी नजर आईं। वहीं ठाणे में करंट लगने से एक की मौत हो गई। बृहन्मुंबई नगर निगम ने लोगों से घर में रहने और आवश्यक सेवाएं मुहैया कराने वालों के अलावा सभी दुकानें मंगलवार को बंद रखने की अपील की है क्योंकि अगले 48 घंटे तक भारी बारिश का पूर्वानुमान है। नगर निकाय अधिकारियों ने बताया कि रेलवे पटरी पर पानी भरे होने की वजह से सुबह हार्बर लाइन पर उपनगरीय ट्रेन सेवाएं बाधित रहीं। वहीं पश्चिमी तथा मध्य लाइन पर भी सेवाएं प्रभावित हुईं। कोरोना वायरस के मद्देनजर मुंबई और उपनगर में लोकल ट्रेन सेवाएं केवल आवश्यक सेवाओं में लगे लोगों के लिए जारी है। अधिकारी ने बताया कि कांदीवली उपनगर के पास भूस्खलन से पश्चिमी उपनगर से दक्षिण मुंबई की ओर आने वाले मार्ग पर यातायात बाधित हुआ। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुंबई के उपमहानिदेशक के. एस. होसालिकर ने बताया कि पश्चिमी उपनगरों में सांताक्रूज वेधशाला सोमवार रात से 254 मिमी और दक्षिणी मुंबई के कोलाबा वेधशाला में इस दौरान 220 मिमी बारिश दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि महालक्ष्मी में मौसम केंद्र में 172 मिमी, विद्याविहार में 159 मिमी, राम मंदिर और मीरा रोड मौसम केन्द्रों में 152 मिमी बारिश दर्ज की गई।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका में भी जोर-शोर से होगा राम लला का स्वागत! सज गया पूरा देश

इंटरनेशनल डेस्क।

अमेरिका के मंदिरों ने अयोध्या में ऐतिहासिक राम मंदिर के शिलान्यास समारोह का जश्न मनाने के लिए विशेष कार्यक्रमों की घोषणा की है जिसके तहत एक झांकी ट्रक राम मंदिर की डिजिटल तस्वीरों को प्रदर्शित करते हुए मंगलवार को अमेरिकी कैपिटल हिल के चक्कर लगाएगा। हिंदू समुदाय के नेताओं ने यह जानकारी दी। मंदिर के निर्माण के लिए भूमि पूजन समारोह अयोध्या की पावन नगरी में पांच अगस्त को होगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। अमेरिका भर के मंदिर विशेष पूजा एवं अर्चना करेंगे जबकि बड़ी संख्या में भारतीय-अमेरिकियों ने कहा कि वे राम मंदिर के भूमि पूजन का जश्न मनाने के लिए दीया जलाएंगे। वाशिंगटन डीसी के और आस-पास के भारतीय-अमेरिकियों ने कहा कि श्री राम मंदिर पर बड़े एलईडी प्रदर्शनी के साथ एक झांकी ट्रक मंगलवार रात को कैपिटल हिल और व्हाइट हाउस के चक्कर लगाएगा। यहां समुदाय के नेताओं की ओर से जारी बयान में कहा गया कि विश्व भर के एक अरब हिंदुओं के लिए पवित्र स्थल पर ऐतिहासिक मंदिर निर्माण की शुरुआत के उपलक्ष्य में अयोध्या श्री राम मंदिर झांकी ट्रक अमेरिकी कैपिटल हिल के चक्कर लगाएगा। हिंदू मंदिर कार्यकारी सम्मेलन और हिंदू मंदिर पुजारी सम्मेलन ने इस समारोह का आनंद लेने के लिए पूरे अमेरिका में डिजिटल रूप से सामूहिक राष्ट्रीय प्रार्थना करने का भी आह्वान किया है। इसी तरह न्यूयॉर्क शहर में भी, हिंदू समुदाय के नेताओं ने ऐतिहासिक अवसर का जश्न मनाने का फैसला किया है। प्रतिष्ठित टाइम्स स्कॉयर में विशाल होर्डिंग पर पांच अगस्त को भगवान राम की छवियां और अयोध्या के राम मंदिर के श्री डी चित्र नजर आएंगे। समुदाय के प्रमुख नेता एवं अमेरिका भारत जन मामला समिति के अध्यक्ष जगदीश सेवहानी ने कहा कि इस अवसर के लिए जिन प्रमुख होर्डिंग को लीज पर लिया गया है उनमें विशाल नैसडेक स्क्रीन और 15,000 वर्ग फीट का एलईडी डिसप्ले स्क्रीन शामिल है।

भारत की तुलना में अमेरिका कोविड-19 को रोकने के लिए कर रहा अच्छा कामः ट्रंप

इंटरनेशनल डेस्क।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि बड़े देशों की तुलना में, अमेरिका कोविड-19 वैश्विक महामारी के खिलाफ बहुत अच्छा कर रहा है जबकि भारत इस बीमारी से लड़ने में जबर्दस्त समस्या का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि चीन में भी संक्रमण के मामलों में जबर्दस्त उछाल देखने को मिल रहा है। भारत में एक दिन में 52,050 मामले सामने आने के बाद देश में कोविड-19 के मरीजों की संख्या 18,55,745 हो गई। वहीं, चीन ने मंगलवार को देश में संक्रमण के 36 नये माामले सामने की जानकारी दी जो एक दिन पहले के 43 मामलों की तुलना में कम थे। देश में 29 जुलाई को तीन महीने में पहली बार कोविड-19 के 100 से अधिक मामले सामने आए थे जिसके बाद यहां संक्रमण के दूसरे दौर को लेकर भय उत्पन्न हो गया था। ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा कि मुझे लगता है कि हम बहुत अच्छा कर रहे हैं। मेरे विचार में हमने किसी भी राष्ट्र जितना अच्छा किया है। अगर आप सचमुच देखें कि क्या कुछ चल रहा है, खासकर इन नये मामलों के सामने आने और उन देशों के संबंध में, जिनके बारे में बात की जा रही थी कि उन्होंने इसे नियंत्रित कर लिया है। उन्होंने कहा कि बड़े देशों की तुलना में, अमेरिका कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में बहुत अच्छा कर रहा है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, यह न भूलें कि हम भारत और चीन के अलावा कई देशों से बहुत बड़े हैं। चीन में बड़े पैमाने पर संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। भारत में जबर्दस्त समस्या है। अन्य देशों में समस्याएं हैं। ट्रंप ने कहा, और मैंने ये सब शाम की खबरों में गौर किया है। किसी भी खबर में, मैं दूसरे देशों के बारे में नहीं पढ़ता हूं।

अमेरिका कोविड-19 के खिलाफ 'बहुत अच्छा' कर रहा है, भारत में 'जबर्दस्त समस्या' है : ट्रंप

वाशिंगटन।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि बड़े देशों की तुलना में, अमेरिका कोविड-19 वैश्विक महामारी के खिलाफ बहुत अच्छा कर रहा है जबकि भारत इस बीमारी से लड़ने में जबर्दस्त समस्या'' का सामना कर रहा है और चीन में भी सक्रमण के मामलों में जबर्दस्त उछाल देखने को मिल रहा है। भारत में एक दिन में 52,050 मामले सामने आने के बाद देश में कोविड-19 के मरीजों की संख्या 18,55,745 हो गई। वहीं, चीन ने मंगलवार को देश में संक्रमण के 36 नये माामले सामने की जानकारी दी जो एक दिन पहले के 43 मामलों की तुलना में कम थे। देश में 29 जुलाई को तीन महीने में पहली बार कोविड-19 के 100 से अधिक मामले सामने आए थे जिसके बाद यहां संक्रमण के दूसरे दौर को लेकर भय उत्पन्न हो गया था। ट्रंप ने सोमवार को यहां प्रेस वार्ता में संवाददाताओं से कहा, मुझे लगता है कि हम बहुत अच्छा कर रहे हैं। मेरे विचार में हमने किसी भी राष्ट्र जितना अच्छा किया है। अगर आप सचमुच देखें कि क्या कुछ चल रहा है, खासकर इन नये मामलों के सामने आने और उन देशों के संबंध में, जिनके बारे में बात की जा रही थी कि उन्होंने इसे नियंत्रित कर लिया है। उन्होंने कहा कि बड़े देशों की तुलना में, अमेरिका कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में बहुत अच्छा कर रहा है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, यह न भूलें कि हम भारत और चीन के अलावा कई देशों से बहुत बड़े हैं। चीन में बड़े पैमाने पर संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। भारत में जबर्दस्त समस्या है। अन्य देशों में समस्याएं हैं। ट्रंप ने कहा, और मैंने ये सब शाम की खबरों में गौर किया है। किसी भी खबर में, मैं दूसरे देशों के बारे में नहीं पढ़ता हूं।

अमेरिकाः राष्ट्रपति चुनाव जीतने की जद्दोजहद में लगे ट्रम्प के सामने एक और मुसीबत

इंटरनेशनल डेस्क।

नेवेदा के गवर्नर स्टीव सिसोलक ने कोरोना वायरस के मद्देनजर नवम्बर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले मतदाताओं को लंबी-लंबी कतारों से बचाने के लिए डाक से मतदान की व्यवस्था सुनश्चित करने को एक विधेयक पर सोमवार को हस्ताक्षर किए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प लगातार इस कदम की आलोचना कर रहे हैं और उन्होंने इसे रोकने के लिए मुकदमा करने की धमकी भी दी है। डेमोक्रेट सिसोलक ने कहा कि इस विधेयक के जरिए चुनाव अधिकारियों को इन अभूतपूर्व परिस्थितियों में सुलभ, सुरक्षित चुनाव कराने में मदद मिलेगी। नेवेदा के आलावा सात राज्य पहले ही कोरोना वायरस के मद्देनजर मतदाताओं को डाक मतपत्र भेजने की योजना बना चुके हैं। ट्रंप का दावा है कि डाक मतदान से चुनाव की अखंडता प्रभावित हो सकती है हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसा होने की आशंका बहुत ही कम है। इसके तहत कोविड-19 महामारी के दौरान अमेरिकी नागरिक मतदान करने के लिए मतदान केंद्रों तक जाने और कतारों में लगने से बचने के लिए डाक से मतदान का विकल्प चुन सकते हैं। ट्रम्प ने हालांकि इस कदम की काफी आलोचना की है। व्हाइट हाउस में दोबारा पहुंचने की जद्दोजहद में लगे ट्रम्प ने दलील दी कि डाक से मतदान (मेल-इन वोटिंग) से चुनाव में गड़बड़ी हो सकती है। ट्रम्प ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि उन्होंने मंगलवार को नेवेदा के खिलाफ मुकदमा करने का फैसला किया है।

संक्षिप्त समाचार

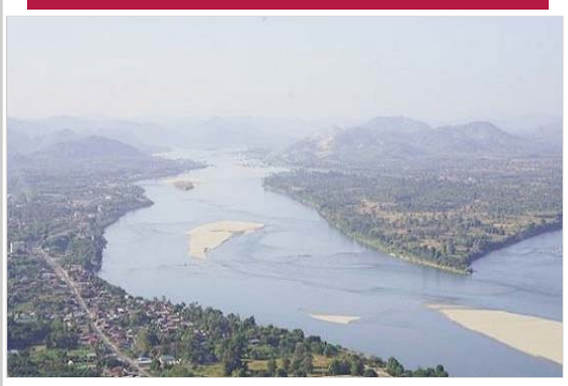

मेकांग नदी बन सकती है चीन-अमेरिका के बीच जंग की वजह, कई देश ड्रेगन के खिलाफ

नेशनल डेस्क। चीन-अमेरिका के बीच अब मेकांग नदी पर बने बांध को लेकर तनाव पैदा हो सकता है। दरअसल जुलाई में जारी चीनी सरकार की एक स्टडी में दावा किया गया कि अमेरिका समर्थिक एक जांच में पूर्वी एशिया के निचले देशों में पानी के कम बहाव और सूखे को लेकर चीनी बांध को दोष दिया गया है। वहीं स्टडी में यह दावा किया गया कि अमेरिका इस मुद्दे को लेकर अपने सहयोगी देशों के नाम पर चीन से उलझने की तैयारी कर रहा है। सिंघुआ विश्वविद्यालय और चीन के जल संसाधन संस्थान के साथ शेयर की गई स्टडी में दावा किया गया कि इस बांध से न केवल बरसात के दिनों में पानी को स्टोर किया जा सकता है, बल्कि गर्मी के दिनों में निचले देशों को इससे पानी की आपूर्ति भी की जा सकती है। चीन की मेकांग नदी युनान प्रांत से निकलकर म्यांमार, थाईलैंड, लाओस, कंबोडिया और वियतनाम से होकर बहती है। बता दें कि लंबाई के हिसाब से मेकांग नदी दुनिया की 10वीं सबसे बड़ी नदी है। विश्लेषकों ने कहा कि पानी के मुद्दे पर चीन का अपने पड़ोसी देशों से विवाद बढ़ा सकता है। वहीं मेकांग पर बने बांध से पानी की कमी को देखते हुए वियतनाम ने आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है। दूसरी तरफ थाईलैंड ने साल के आखिरी महीने में राहत प्रयासों में अपनी सेना को शामिल कर लिया है। वहीं अमेरिका अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर चीन के खिलाफ मोर्चा खोल सकता है। मेकांग नदी पूर्वी एशिया में 60 मिलियन लोगों की जीवन रेखा है। कंबोडिया, लाओस, थाईलैंड, म्यांमार और वियतनाम की मीडिया ने देश में सूखे को लेकर कई रिपोर्ट्स को जारी किया है। जिसमें सूखे के लिए चीन के बांध को दोषी बताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि चीन अपने जलविद्युत परियोजना और सिंचाई के लिए मेकांग नदी के 47 अरब क्यूबिक मीटर पानी का उपयोग कर रहा है। वहीं सूखे पर चीन ने कहा कि ऐसा हाई टेम्परेचर और घटती बारिश के कारण हो रहा है।

चीन के शांघाई, तटीय इलाकों में प्रचंड तूफान के कारण आंधी, भारी बारिश

बीजिंग। चीन के आर्थिक केंद्र शांघाई समेत पूर्वी तटीय इलाकों में मंगलवार की सुबह प्रचंड तूफान के कारण तेज आंधी और भारी बारिश हुई। चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा कि तूफान 'हगीपुट' ने तड़के साढ़े तीन बजे झेजियांग प्रांत में दस्तक दी जहां उसके केंद्र में प्रति घंटे 136.8 किलोमीटर की गति से हवाएं चल रहीं थी। यह करीब 25 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर की तरफ बढ़ रहा है और इसके धीरे-धीरे उत्तरपूर्वी दिशा में मुड़ने की संभावना है जो बुधवार सुबह फिर से समुद्र की तरफ मुड़ेगा और कोरिया प्रायद्वीप की दिशा में बढ़ेगा। चीन ने झेजियांग और फुजियान प्रांत के संवेदनशील तटीय इलाकों से लोगों को खाली कराकर दक्षिण में भेजने का आदेश दिया है, मछली पकड़ने वाली नौकाओं को वापस बुलाया है और समुद्र के आर-पार ले जाने वाली सेवाओं तथा कुछ ट्रेनों के परिचालन पर रोक लगा दी है। तूफान से किसी तरह के नुकसान या किसी के घायल होने की तत्काल कोई जानकारी नहीं है। किसी के घायल होने की तत्काल कोई जानकारी नहीं है। सरकारी चैनल सीसीटीवी ने झेजियांग के युहुआन शहर में पेड़ों के उखड़ने की तस्वीरें दिखाई लेकिन गंभीर नुकसान के कोई संकेत नहीं मिले हैं।

पाक की अदालत ने जाधव मामले में तीन वरिष्ठ वकीलों को न्याय मित्र नियुक्त किया

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान की एक शीर्ष अदालत ने कुलभूषण जाधव मामले में तीन वरिष्ठ अधिवक्ताओं को न्याय मित्र नामित किया है। साथ ही पाकिस्तान सरकार को सजायाफ्ता कैदी के लिए एक वकील नियुक्त करने का भारत को एक और मौका देने का आदेश दिया है। भारत ने जाधव को राजनयिक पहुंच न देने और मौत की सजा को चुनौती देने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का रुख किया था। हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) ने जुलाई 2019 में फैसला दिया था कि पाकिस्तान को जाधव की दोषसिद्धि एवं सजा की प्रभावी समीक्षा एवं पुनर्विचार करना चाहिए और बिना किसी देरी के भारत को राजनयिक पहुंच देने की अनुमति भी देनी चाहिए। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अतहर मिनाल्ला और न्यायमूर्ति मियांगुल औरंगजेब की पीठ ने जाधव के लिए वकील नियुक्त करने की पाकिस्तान सरकार की याचिका पर सोमवार को सुनवाई करते हुए तीन वकीलों को नियुक्त किया। न्याय मित्र वह वकील होता है जिसे किसी मामले में सहायता करने के लिए अदालत द्वारा नियुक्त किया जाता है। अदालत ने मामले के लिए एक वृहद पीठ के गठन का भी आदेश दिया है। इसने अदालत के रजिस्ट्रार को तीन सितंबर दोपहर दो बजे वृहद पीठ के समक्ष मामले की सुनवाई निर्धारित करने का भी निर्देश दिया। अदालत ने अपने आदेश में कहा, हम उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ताओं एवं उच्चतम न्यायालय बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्षों -आबिद हसन मंटो, हामिद खान तथा उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पाकिस्तान के पूर्व अटॉर्नी जनरल मखदूम अली खान को हमारी कानूनी सहायता और खासकर अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के फैसले के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए न्याय मित्र नियुक्त करते हैं।

टिकटॉक के बिक्री मुनाफे का एक बड़ा हिस्सा अमेरिका को मिलना चाहिएः ट्रंप

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मांग की है कि लोकप्रिय चीनी ऐप टिकटॉक के बिक्री मुनाफे का एक बड़ा हिस्सा अमेरिका को मिलना चाहिए। उन्होंने कहा है कि टिकटॉक 15 सितंबर तक या तो किसी अमेरिकी कंपनी को अपना कारोबार बेच दे या फिर अमेरिका में अपना कारोबार बंद कर दे। अमेरिका में टिकटॉक को 15 सितंबर तक कारोबार समेटने की चेतावनी देने के कुछ घंटे बाद ट्रंप सोमवार को व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से बात कर रहे थे। प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट, टिकटॉक की मूल कंपनी बाइटडांस से इसका अमेरिकी कारोबार खरीदने के लिए बात कर रही है। हालांकि, राष्ट्रपति 100 प्रतिशत खरीद के पक्ष में हैं, न कि 30 प्रतिशत खरीद के पक्ष में जैसी अभी खबर आ रही है। ट्रंप ने कहा, ''अमेरिका को उस कीमत का एक बहुत बड़ा हिस्सा मिलना चाहिए क्योंकि हम इसे संभव बना रहे हैं। हमारे बिना, जैसा आप जानते हैं, मैं कहता हूं कि यह मालिक और किराएदार जैसा है। और पट्टे के बिना किराएदार की कोई अहमियत नहीं होती।'' उन्होंने कहा, ''यह बड़ी सफलता प्राप्त करने के लिए हम इसे संभव बनाते हैं। टिकटॉक एक बड़ी सफलता है। लेकिन इसका एक बड़ा हिस्सा इस देश में होना चाहिए। यह बिक्री से आएगा, हां। संख्या कुछ भी हो, यह बिक्री से आएगी।'' इससे पहले, ट्रंप ने कहा कि अगर माइक्रोसॉफ्ट या कोई अन्य अमेरिकी कंपनी इसे नहीं खरीद पाती है तो टिकटॉक को 15 सितंबर को बंद कर दिया जाएगा। उचित सौदे पर काम करिए। राष्ट्रपति ने इस मामले पर माइक्रोसॉफ्ट के भारतीय मूल के सीईओ सत्य नडेला से भी बात की। माइक्रोसॉफ्ट ने रविवार को एक बयान में कहा कि नडेला और ट्रंप के बीच बातचीत के बाद कंपनी अमेरिका में टिकटॉक का कारोबार खरीदने की संभावना पर चर्चा जारी रखने को तैयार है। इसने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट खरीद की बात को आगे बढ़ाने के लिए टिकटॉक की मूल कंपनी बाइटडांस से बात कर रही है और इस चर्चा को किसी भी तरह 15 सितंबर तक पूरा कर लेगी। भारत द्वारा टिकटॉक सहित चीन के दर्जनों ऐप पर रोक लगाए जाने के बाद अमेरिका में भी राष्ट्रीय बहस शुरू हो गई है और चीनी ऐप के खिलाफ ऐसा ही कदम उठाए जाने की मांग जोर पकड़ती जा रही है। भारत ने जून में टिकटॉक, यूसी ब्राउजर सहित चीन के 59 ऐप पर रोक लगा दी थी और कहा था कि ये ऐप देश की संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा के लिए हानिकारक हैं। ट्रंप ने कहा कि टिकटॉक का अमेरिकी कारोबार अमेरिकी कंपनी द्वारा खरीदा जाना चाहिए क्योंकि ''हम सुरक्षा संबंधी कोई समस्या नहीं चाहते।'' राष्ट्रपति ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''इसे (टिकटॉक के अमेरिकी कारोबार) खरीदने को लेकर माइक्रोसॉफ्ट ही नहीं, अन्य कंपनियों में भी उत्साह है। इसलिए, हम देखेंगे कि क्या होता है।

राम मंदिर शिलान्यास समारोह का जशन मनाएंगे भारतीय-अमेरिकी

वाशिंगटन। अमेरिका के मंदिरों ने अयोध्या में ऐतिहासिक राम मंदिर के शिलान्यास समारोह का जश्न मनाने के लिए विशेष कार्यक्रमों की घोषणा की है जिसके तहत एक झांकी ट्रक राम मंदिर की डिजिटल तस्वीरों को प्रदर्शित करते हुए मंगलवार को अमेरिकी कैपिटल हिल के चक्कर लगाएगा। हिंदू समुदाय के नेताओं ने यह जानकारी दी। मंदिर के निर्माण के लिए भूमि पूजन समारोह अयोध्या की पावन नगरी में पांच अगस्त को होगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। अमेरिका भर के मंदिर विशेष पूजा एवं अर्चना करेंगे जबकि बड़ी संख्या में भारतीय-अमेरिकियों ने कहा कि वे राम मंदिर के भूमि पूजन का जश्न मनाने के लिए दीया जलाएंगे। वाशिंगटन डीसी के और आस-पास के भारतीय-अमेरिकियों ने कहा कि श्री राम मंदिर पर बड़े एलईडी प्रदर्शनी के साथ एक झांकी ट्रक मंगलवार रात को कैपिटल हिल और व्हाइट हाउस के चक्कर लगाएगा। यहां समुदाय के नेताओं की ओर से जारी बयान में कहा गया, विश्व भर के एक अरब हिंदुओं के लिए पवित्र स्थल पर ऐतिहासिक मंदिर निर्माण की शुरुआत के उपलक्ष्य में अयोध्या श्री राम मंदिर झांकी ट्रक अमेरिकी कैपिटल हिल के चक्कर लगाएगा। हिंदू मंदिर कार्यकारी सम्मेलन और हिंदू मंदिर पुजारी सम्मेलन ने इस समारोह का आनंद लेने के लिए पूरे अमेरिका में डिजिटल रूप से सामूहिक राष्ट्रीय प्रार्थना करने का भी आह्वान किया है। इसी तरह न्यूयॉर्क शहर में भी, हिंदू समुदाय के नेताओं ने ऐतिहासिक अवसर का जश्न मनाने का फैसला किया है। प्रतिष्ठित टाइम्स स्कॉयर में विशाल होर्डिंग पर पांच अगस्त को भगवान राम की छवियां और अयोध्या के राम मंदिर के श्री डी चित्र नजर आएंगे।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस के 432 नए मामले सामने आएः मंत्रालय

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 432 नए मामले सामने आए जिसके बाद देश में कुल संक्रमितों की तादाद 2,80,461 हो गई। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि इस अवधि में 15 मरीजों ने जानलेवा संक्रमण के कारण दम तोड़ा। मंत्रालय ने एक बयान में बताया, ÷ पाकिस्तान में 432 नए मामले सामने आए हैं जिससे कुल मामलों की संख्या 2,80,461 हो गई है। अबतक 2,49,397 लोग बीमारी से पूरी तरह से ठीक हो गए हैं जबकि 1,013 मरीजों की हालत नाजुक है। सिंध में 121,705 मामले, पंजाब में 93,336, खैबर-पख्तूनख्वा में 34,253, इस्लामाबाद में 15,095, बलोचिस्तान में 11,777, गिलगित-बाल्तिस्तान में 2,198 और पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर में 2,097 मामले दर्ज किए गए। मंत्रालय के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 10,690 नमूनों की जांच की गई और अब तक पूरे देश में 2,031,955 नमूनों की जांच की जा चुकी है।

अफगानिस्तान के सुरक्षाबलों ने इस्लामिक स्टेट के कब्जे से छुड़ाई जेल, 39 की मौत

जलालाबाद। पूर्वी अफगानिस्तान के नंगरहार प्रांत की राजधानी जलालाबाद में आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) के आतंकियों के साथ घंटों तक चली मुठभेड़ के बाद सेना ने एक जेल को अपने नियंत्रण में ले लिया। इस्लामिक स्टेट के हमले में अब तक हमलावरों समेत 39 लोग मारे जा चुके हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। समझा जाता है कि इस जेल में आईएस के सैंकड़ों कैदी हैं और हमलावर करीब 400 कैदियों को आजाद कराने में सफल रहे। इस हमले से अफगानिस्तान के समक्ष आने वाले चुनौतियों का संकेत मिलता है। अमेरिका द्वारा तालिबान के साथ शांति संधि करने के बाद अमेरिका और नाटो के सैनिक वापस जाने लगे हैं। इससे पहले, रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता फवाद अमान ने बताया कि काबुल से करीब 115 किलोमीटर दूर जलालाबाद में सुरक्षाबलों ने सोमवार को इस जेल को अपने नियंत्रण में ले लिया। हमले में कम से कम 50 घायल भी हुए। जेल को सुरक्षाबलों द्वारा अपने नियंत्रण में ले लेने के कई घंटे बाद भी आतंकवादी आसपास की इमारतों से रूक रूक कर गोलीबारी करते रहे। प्रांतीय परिषद सदस्य अजमल उमर ने बताया कि मारे गए लोगों में कम से कम 10 आईएस के आतंकवादी हैं जो जलालाबाद में जेल से अपने साथियों को रिहा करने के लिए किये गए हमले में शामिल थे। बाकी कैदी, नागरिक और अफगान बल हैं। इस संबंध में कोई आधारिक जानकारी नहीं दी गई। रविवार को तब हमला शुरू हुआ था जब इस्लामिक स्टेट के एक आत्मघाती बम हमलावर विस्फोटक से लदा एक वाहन लेकर जेल के गेट पर पहुंचा और उससे धमाका कर दिया। इसी बीच इस्लामिक स्टेट के दूसरे आतंकवादी गोलियां चलाने लगे और अंदर घुस गये। हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट समूह से संबद्ध एक संगठन ने ली है जिसे खुरासान प्रांत में आईएस के नाम से जाना जाता है।

अस्पतालों पर लगा ताला...भूखे मर रहे सैनिक, एक गलती ने इस देश को कर दिया बर्बाद

इंटरनेशनल डेस्क।

लेबनान में 20 घंटे तक बिजली कटौती, सड़कों पर कूड़े के ढेर, कमजोर आधारभूत संरचना और एक के बाद एक आई आपदा के मद्देनजर विश्लेषकों की राय है कि यह देश दिवालिया होने की तरफ बढ़ रहा है। देश में रोजाना स्थिति भयावह होती जा रही है। बड़ी संख्या में लोगों को काम से निकाला जा रहा है, अस्पतालों के बंद होने का खतरा है, दुकान और रेस्तरां बंद हो रहे हैं, अपराध बढ़ता जा रहा है और सेना अपने सैनिकों को भोजन तक मुहैया नहीं करा पा रही है और गोदामों द्वारा मियाद खत्म हो चुके खाने के सामान बेचे जा रहे हैं। देश में यह संकट सरकार की गलत नीतियों के कारण पैदा हो गया है। लेबनान तेजी से आर्थिक दिवालियापन, संस्थानों के खंडित होने, उच्च महंगाई दर और तेजी से बढ़ती गरीबी की ओर बढ़ रहा है और इन समस्याओं में महामारी ने और इजाफा कर दिया है। इस संकट से लेबनान के बिखरने का खतरा बढ़ गया है जो अरब में विविधता और मेलमिलाप के आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित है और इसके साथ ही अराजकता फैल सकती है। लेबनान 18 धार्मिक संप्रदाय, कमजोर केंद्रीय सरकार, मजबूत पड़ोसी की वजह से क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्विता का शिकार होता रहा है जिससे राजनीतिक जड़ता, हिंसा या दोनों का उसे सामना करना पड़ता है। लेबनान हमेशा से ईरान और सऊदी अरब के वर्चस्व की लड़ाई का शिकार बनता रहता है, लेकिन मौजूदा समस्या स्वयं लेबनान द्वारा उत्पन्न है, जो दशकों से भ्रष्ट और लालची राजनीतिक वर्ग की वजह से उत्पन्न हुई है, जिसकी चोट अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र पर पड़ी। दुनिया में सबसे अधिक सार्वजनिक कर्ज के बावजूद लेबनान कई वर्षों से दिवालिया होने से बचा रहा। स्टीडीज ऐट कार्नेज इंडाउमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस के उपाध्यक्ष मरवान मुआशेर ने कहा कि लेबनान में एक समस्या यह है कि यहां भ्रष्टाचार का लोकतांत्रिकीकरण हुआ है। यह केंद्र में बैठे एक व्यक्ति के साथ ही नहीं है। यह हर जगह है। हाल में सेंटर फॉर ग्लोबल पॉलिसी के एक सम्मेलन में उन्होंने कहा कि प्रत्येक धड़े की अर्थव्यवस्था में एक हिस्सा है जिस पर वह नियंत्रण करता है और उससे धन अर्जित करता है ताकि वह अपने धड़े को खुश रख सके। उल्लेखनीय है कि परेशानी 2019 के आखिर में तब बढ़ी जब सरकार ने व्हाट्सएप मैसेज पर कर लगाने की इच्छा जताई जिसे लेकर पूरे देश में भारी प्रदर्शन शुरू हो गया। माना जा रहा है कि अपने नेताओं से परेशान लोगों के खिलाफ खुलकर सामने आने के लिए इसने आग में घी का काम किया। यह प्रदर्शन करीब दो हफ्ते तक चला जिसके बाद बैंक में एवं उसके बाद अनौपचारिक रूप से पूंजी नियंत्रण करने वाले संस्थानों में भी विरोध शुरू हो गया जिससे डॉलर के निकालने या हस्तांतरित करने की सीमा तय कर दी गई। विदेशी मुद्रा की कमी की वजह से लेबनानी पाउंड का मूल्य ब्लैक मार्केट में 80 प्रतिशत तक गिर गया है और मूलभत वस्तुओं व खाने पीने के समान की कीमत में बेतहाशा वृद्धि हुई। लेबनान विश्व मुद्रा कोष से मदद की उम्मीद कर रहा है लेकिन कई महीनों तक चली बातचीत के बावजूद कोई सहमति नहीं बन पाई है। हाल में बेरूत की यात्रा पर आए फ्रांस के विदेश मंत्री ने भी लेबनान को बिना विश्वसनीय सुधार किए सहायता देने से मना कर दिया। यूएस इंस्टीट्यूट ऑफ पीस में अमेरिकी उपराष्ट्रपति के मध्य एशिया और अफ्रीका मामलों की सलाहकार मोना याकोउबियान ने वाशिंगटन के 'दि हिल अखबार में लिखा कि लेबनान के पतन से यूरोप में शरणार्थियों के आने का नया सिलसिला शुरू हो जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारी बारिश की संभावना के बीच सौराष्ट्र में सुबह से मूशलाधार बारिश

अहमदाबाद, आगामी पांच दिन गुजरात में भारी से अतिभारी के अनुमान के बीच मंगलवार की सुबह से सौराष्ट्र में कई जगह मूशलाधार बारिश होने से कई गांव बेट में तब्दील हो गए। बंगाल की खाडी में लो प्रेशर और एक साइक्लोनिक सिस्टम के कारण गुजरात में ४ अगस्त से अच्छी बारिश होने का मौसम विभाग ने अनुमान व्यक्त किया था। पांच दिनों के दौरान दक्षिण गुजरात के दमण, दादरा नगर हवेली, वलसाड, सूरत, भरुच, सौराष्ट्र के गिर सोमनाथ, जूनागढ़, दीव, अमरेली में भारी से अतिभारी बारिश होगी। जबकि उत्तरी गुजरात में मध्यम बारिश होगी। मौसम विभाग के अनुमान के बीच आज सौराष्ट्र के कई इलाकों में मूशलाधार बारिश हो रही है।

मंगलवार की दोपहर २ बजे तक गिर सोमनाथ जिले में सबसे अधिक बारिश हुई। सुबह से गिर सोमनाथ, जूनागढ़ और अमरेली में जबर्दस्त बारिश हो रही है। सबसे ज्यादा १२७ मिमी बारिश गिर सोमनाथ जिले के वेरावल में हुई है। भ. ारी बारिश के कारण कई गांव द्वीप में तब्दील हो गए हैं। जूनागढ़ के मांगरोल में १०६ मिमी बारिश हुई।

वहीं अमरेली जिले के खांभा में ९० मिमी, साव. रकुंडला में ७६ मिमी, जाफराबाद में ७६ मिमी, राजूला में ७३ मिमी, बग. सरा में ४० मिमी, भावनगर जिले के तलाजा में ३७ मिमी,

अमरेली तहसील में ३५ मिमी, भावनगर के महुवा में ३३ मिमी, गिर सोमनाथ के कोडीनार में ३१ मिमी, जूनागढ़ के मालिया में २९ मिमी और गिर सोमनाथ जिले के तलाला में २९ मिमी बारिश दर्ज हुई

सौराष्ट्र में भारी बारिश के चलते वेरावल से गुजरती कपिला और डाभोर गांव से गुजरती देविका नदी में बाढ़ आ गई है।

भारी बारिश के कारण इणाज, उंबा, देदा, आबलयाला समेत कई गांव द्वीप में तब्दील हो गए हैं।

जूनागढ़ में मूशलाधार बारिश के चलते सोनरख नदी में बाढ़ गईं। इस दौरान पुल पर पांच युवक फंस गए थे,

जिन्हें फायर विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर बचा लिया हैं।

कच्छ के रापर से कांग्रेस विधायक के पति कोरोना संक्रमित

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, राज्य में का. ोरोना के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है और इससे भाजपा व कांग्रेस नेता और उनके परिवार के सदस्य भी चपेट में आ रहे हैं।

कच्छ जिले के रापर निर्वाचन क्षेत्र की कांग्रेस विधायक संतो. कबेन आरेठिया के पति बचुभाई आरेठिया की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में गया है

और उनके संपर्क में आए लोगों को कोरन्टाइन करने की कवायद शुरू की है।

दो दिन पहले गांधीनगर उत्तर के कांग्रेस विधायक सीजे चावडा की रिपोर्ट पा. ॅजिटिव आई थी।

सीजे चावड़ा की पत्नी फाल्गुनी चावड़ा पशुपालक निदेशक हैं, जिनमें कोरोना के लक्षण पाने जाने पर टेस्ट करवाया गया था।

रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद फाल्गुनी चावड़ा को अहमदाबाद के अस्पताल में दाखिल किया हैद्य पत्नी की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद सीजे चावड़ा कोरन्टाइन हो गए और टेस्ट कराने पर उनकी रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है।

इससे पहले भाजपा विधायक जगदीश पंचाल, बलराम थवाणी, किशोर चौहाण, रमण पाटकर, वीडी झालावाडिया, केतन ईम. ानदार और कांग्रेस विध ायक इमरान खेडावाला, गेनीबेन ठाकोर, चिराग कालरिया, रघु देसाई भी कोरोना की चपेट में आ चुके हैं और उपचार के बाद सभी स्वस्थ हैं।

हार्दिक की नियुक्ति से नाराज वरिष्ठ नेताओं को उपचुनाव में टिकट देगी कांग्रेस

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, पाटीदार आंदोलन से उभरे हार्दिक पटेल को गुजरात प्रदेश कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने से पार्टी के वरिष्ठ नेता नाराज हैं

और ऐसे नेताओं के रिझाने के लिए इन्हें पार्टी आगामी उपचुनाव में टिकट दे सकती है।

बता दें कि पिछले महीने हार्दिक पटेल को कांग्रेस हाईकमांड ने गुजरात प्रदेश कांग्रेस का कार्यकारी नियुक्त किया था।

जिसे लेकर खासकर वरिष्ठ नेताओं में नारा. जगी है। जानकारी है कि नाराज नेताओं को रिझाने के लिए कांग्रेस ने उन्हें आगामी चुनाव मैदान में उतार सकती हैं।

जानकारी के मुताबिक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के करीबी सचिव राव और कृष्णा अलावरी ने उपचुनाव के लिए गुजरात की ८ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में सर्वे किया हैं।

सर्वे के मुताबिक गुजरात कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अर्जुन मोढवाडिया को कच्छ के अबडासा से और

सिद्धार्थ पटेल को वडोदरा के करजण विध ानसभा सीट पर टिकट दे सकती हैं।

कांग्रेस के विधायक पार्टी न छोड़े, इसके लिए पार्टी हाईकमांड ने उम्मीदवारों के चयन को लेकर कुछ तैयारियां कर ली हैं।

कोरोना कहर जारी, भाजपा की पूर्व महिला नगर पार्षद की मौत

सूरत, गुजरात के सूरत में कोरोना तेजी से लोगों को अपना शिकार बना रहा हैद्य भाजपा की पूर्व नगर पार्षद उर्मिला राणा की कोरोना से मौत हो गई हैं। वहीं गुजरात भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटील के भाई प्रकाश पाटील की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई हैं। भाजपा की पूर्व नगर पार्षद उर्मिला राणा की १० दिन पहले कोरोना रिपोर्ट पॉजि. टिव आने के बाद उनका निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। लेकिन उप. चार कारगर नहीं हुआ और उर्मिला राणा की सुबह ५ बजे मौत हो गई। कोविड गाइडलाइन के मुताबिक उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया है। वहीं बीते दिन सूरत शहर भाजपा प्रमुख नितिन भजिया वाला और उनकी पत्नी जयश्री भजियावाला की भी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद अस्पताल में उपचार चल रहा है। कल ही सूरत में कलरटेक्स कंपनी के महाप्रबंधक की कोरोना से मौत हो गई थी। कलरटेक्स के महाप्रबंधक किरीट गांध ी का पिछले १० दिनों से अस्पताल में इलाज चल रहा था।

भाजपा की पूर्व नगर पार्षद उर्मिला राणा

कलर टैक्स के जनरल मैनेजर किरीटभाई गाँधी की कोरोना से मौत. किरण अस्पताल में दस दिनों से चिकित्सा ले रहे थे

वहीं आज गुजरात भाजपा के प्रमुख सीआर पाटील के भाई प्रकाश पाटील को कोरोना संक्रमित पाए जाने पर निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है।

गुजरात में १०२० नए केसों के साथ कोरोना का आंकड़ा ६५००० के पार

अहमदाबाद/सुरत , पिछले २४ घंटों में १०२० पॉजिटिव केसों के साथ गुजरात में कोरोना का आंकड़ा ६५ हजार को पार कर गया हैं।

२४ घंटों में ८९८ लोग स्वस्थ होने के बाद अपनेघर लौटे हैं ।

जबकि २५ मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पिछले २४ घंटों में सूरत शहर में १९४, अहमदाबाद शहर में १३८, वडोदरा शहर में ८४, राजकोट शहर में ६१, सूरत जिले में ५१, भावनगर शहर में ३८, राजकोट जिले में २७,

दाहोद में २३, कच्छ में २३, पंचमहल में २२, जूनागढ़ शहर में २१, वडोदरा जिले में २१, गांधीनगर जिले में २०, नर्मदा में २०, अमरेली में १८, जामनगर शहर में १८, भावनगर जिले में १७, भरुच में १६, बोटाद में १६, गिर सोमनाथ में १६, जूनागढ़ जिले में १६, अहमदाबाद जिले में १५, मेहसाणा में १५, नवसारी में १३, नवसारी में ३, छोटाउदेपुर में २, देवभूमि द्वारका में २ और डांग में १ समेत कुल १०२० कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए।

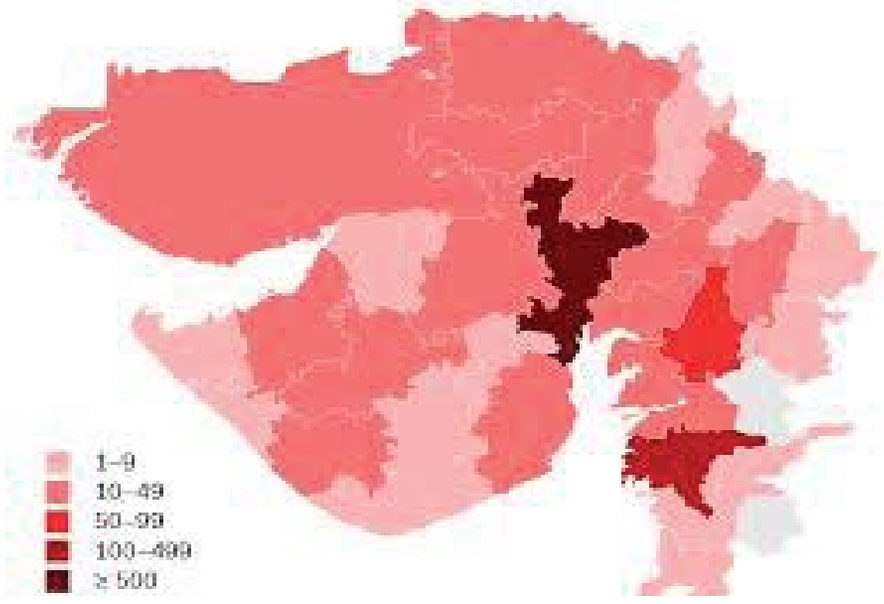

जबकि ८९८ लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया है। २४ घंटों में सूरत शहर और जिले में ११, अहमदाबाद शहर में ३, जामनगर शहर और जिले में ३, जूनागढ़ शहर और जिले में ४, भावनगर जिले में १, राजकोट शहर में १, वडोदरा शहर जिले में २ समेत कुल २५ मरीजों की कोरोना से मौत हो गई।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक राज्य में अब तक ८५४८३९ टेस्ट किए गए, जिसमें ६५७०४ कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए है। ६५७०४ कोरोना पॉजिटिव मामलों में अब तक ४८३५९ लोग ठीक हो चुके हैं और २५३४ मरीजों की मौत हो चुकी है।

शेष १४८११ एक्टिव केसों में १४७२४ मरीजों की हालत स्थिर है और ८७ मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। राज्य के विभिन्न जिलों में आज की तारीख में ४८९३३८ लोगों को कोरन्टाइन किया गया है।

जिसमें ४८७८६५ होम कोरन्टाइन और १४७३ लोग फैसिलिटी कोरन्टाइन में रखा गया है।

लॉकडाउन के दौरान ८० लाख नागरिकों ने ईपीएफओ से निकाले ३० हजार करोड़: कांग्रेस

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, कोरोना और लॉकडाउन की वजह से गरीब और मध्यम वर्ग को आजीविका चलाना मुश्किल हो चला है।

लाखों लोग इस संकट में बेरोजगार हो गए हैं। ऐसे में गुजरात कांग्रेस ने दावा किया है कि तीन महीने के भीतर ८० लाख नागरिकों ने ईपीएफओ से ३० हजार करोड़ निकाले हैं।

सामाजिक सुरक्षा के लिए आरक्षित की जानेवाली यह रकम नागरिकों ने जीवनयापन करने के लिए निकाल ली है।

गुजरात कांग्रेस के प्रवक्ता मनीष दोशी ने सीएमआईए की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि देश में प्रति चौथा व्यक्ति बेरोजगार हो चुका है।

नतीजतन पिछले एक सप्ताह में १ लाख से ज्यादा नागरिक ईपीएफओ से रकम निकालकर परिवार का जीवनयापन कर रहे हैंद्य मनीष दोशी के मुताबिक देश में ५० लाख लोगों ने मेडिकल ट्रीटमेंट के लिए रु. २२००० करोड़ निकाले हैं।

जबकि ३० लाख लोगों ने कोरोना विन्डो के लिए रु. ८००० करोड़ रुपए निकाले।

गुजरात में करीब ८ लाख लोगों ने आजीविका चलाने के लिए ईपीएफओ से रुपए निकाले हैं।

उन्होंने कहा कि आम आदमी की आर्थिक हालत काफी दयनीय होती जा रही है।

Get Instant Car Insurance

Call 9879141480

Car insurance is a concept through which you can safeguard your money in case of damage to your car.

Get Instant Health Insurance

Call 9879141480

Financial coverage for medical expenses, in case of a medical emergency.

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)